हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 57, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 18 अगस्त, 2022 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

तेज होगी विकास गति, लापरवाही बरती तो होगी कार्रवाई : सीएम योगी

सरकार का उद्देश्य अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचे

सहारनपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरसावा एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर द्वारा आज सहारनपुर पुलिस लाइन पहुंचे। सीएम योगी ने सबसे पहले पुलिस लाइन में जनप्रतिनिधियों और भाजपा के संगठन पदाधिकारियों से बैठक की। इसके बाद दो विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया। सीएम योगी निरीक्षण के बाद सर्किट हाउस में मंडलीय समीक्षा करने पहुंचे हैं। मंडलीय समीक्षा में सहारनपुर जनपद के अधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल होंगे, जबकि शामली और मुजफ्फरनगर के अधिकारी व जनप्रतिनिधि बैठक में वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक में कहा कि जनपद में विकास की गति तेज होगी। इसमें अगर किसी अधिकारी ने लापरवाही बरती तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिले में प्लाइवुड फैक्टरी लगाने को लाइसेंस दिए जाएंगे। इसके साथ बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग के लोगों के उत्थान का कार्य किया जाएगा। पुलिस लाइन सभागार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 50 मिनट तक भाजपा पदाधिकारियों व

जनप्रतिनिधियों के साथ वार्ता की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचे। किसी कार्यकर्ता, पदाधिकारी या जनप्रतिनिधि को दिक्कत आए तो मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं। विकास कार्यों में कोई अधिकारी लापरवाही बरत रहा तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सभी जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी उनके समक्ष शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सहारनपुर में विकास कार्यों के लिए जनप्रतिनिधियों से सुझाव मांगे, जिस पर जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों ने स्मार्ट सिटी के कार्यों में तेजी लाने, मां शाकम्भरी देवी मंदिर का सौंदर्यीकरण, छुटमलपुर में इंटर कॉलेज बनाए जाने, मां शाकम्भरी देवी राजकीय विश्व विद्यालय का निर्माण कार्य तेजी से कराने, राजकीय मेडिकल कॉलेज में सुविधाएं बढ़ाने सहित विकास जुड़े अनेक कार्य पूरा कराने की मांग की। मुख्यमंत्री सभी कार्यों जल्द पूरा कराए जाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री के साथ बैठक के दौरान राज्यमंत्री और विधायक मौजूद रहे सहित जिला व महानगर कार्यकारिणी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

यूपी में चार आईएएस और छह पीसीएस अफसरों के तबादले कार्यभार में किया गया बदलाव

लखनऊ। यूपी में बुधवार को चार आईएएस और छह पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। अफसरों के कार्यभार में बदलाव किया गया है। बुलंदशहर के जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह अपने पद पर बने रहेंगे। इसके साथ ही उन्हें बुलंदशहर खुर्जा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। जबकि अभी तक खुर्जा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष रहीं आईएएस निशा को प्रतीक्षारत किया गया है। आईएएस डॉ सरोज कुमार को विशेष सचिव, सचिवालय प्रशासन के पद पर तैनाती दी गई है। अभी तक वह विशेष सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त पद पर कार्य कर रही थीं। विशेष सचिव, लोक निर्माण विभाग के पद पर रहे आईएएस ज्ञानेश्वर त्रिपाठी को विशेष सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग के पद पर तैनाती दी गई है।

फिर अपने ही अंदाज में दिखे लालू, बोले- हटाना है, तानाशाह मोदी को हटाना है

बिहार। बिहार में बदले समीकरण और कैबिनेट विस्तार के बीच राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पहली बार मीडिया के सामने आए। इस दौरान लालू यादव अपने पुराने ही अंदाज में दिखाई दिए। 2024 के समीकरण को लेकर हुए सवाल पर उन्होंने कहा, तानाशाह सरकार को हटाना है। मोदी को हटाना है। दरअसल, लंबी बीमारी और चोट के कारण लालू प्रसाद यादव अभी तक दिल्ली में थे। इस दौरान न वे मीडिया से मिल रहे थे और न ही उनका कोई बयान सामने आया था। हालांकि, अब खबर है कि आज ही लालू यादव पटना पहुंच रहे हैं। यहां आते ही वह नीतीश कुमार से भी मिल सकते हैं। लालू यादव ने बिहार के नए मंत्रिमंडल पर लगे आरोपों पर भी जवाब दिया। भाजपा नेता सुशील मोदी द्वारा लगाए गए आरोपों पर लालू यादव ने कहा कि सुशील मोदी का क्या है? वह झूठे हैं। कोई मामला नहीं है। दरअसल, बिहार के नए कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह ने कल ही शपथ ली है और कल ही उन्हें अपहरण के एक मामले में कोर्ट में सरेंडन होना था। इस मामले के बाद से विपक्ष उन पर हमलावर है।

केंद्र का किसानों को तोहफा, अल्पकालिक कृषि ऋण पर ब्याज में 1.5% की छूट का एलान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने किसानों को राहत देने के लिए बड़ा एलान किया है। कैबिनेट की बैठक के बाद आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना परिव्यय को 50,000 करोड़ रुपये बढ़ाकर 5 लाख करोड़ रुपये किया। इस बात की जानकारी केन्द्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने दी है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने तीन लाख रुपये तक के अल्पकालिक कृषि ऋण पर 1.5 प्रतिशत की ब्याज छूट को भी मंजूरी दे दी है।

हम पहले दिन से किसानों को दे रहे प्राथमिकताः अनुराग ठाकुर- कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, हम किसानों को पहले दिन से प्राथमिकता दे रहे हैं। किसानों को क्रेडिट कार्ड पर छोटी अवधि के लिए तीन लाख रुपये का कर्ज मिलता है। इस पर सात फीसदी की दर से ब्याज चुकाना होता है। अगर किसान सही समय पर इसका भुगतान करते हैं तो उन्हें तीन फीसदी की छूट मिलती है। यानी किसानों को मात्र चार फीसदी की दर से ही ब्याज देना होता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि छोटी-बड़ी और क्षेत्रीय-ग्रामीण जैसी अलग-अलग बैंकों की तरफ से किसानों को यह सुविधा मिलती है। मई 2020 में बैंकों को सरकार की ओर से दो फीसदी छूट की मदद मिलना बंद कर दी गई थी क्योंकि

तब ब्याज दरें कम थीं।

रेपो रेट बढ़ने का किसानों के लोन पर असर नहीं- अब आरबीआई ने दो बार रेपो रेट में बढ़ोतरी की है। किसानों पर ब्याज दर का ज्यादा बोझ न पड़े या फिर जो बैंक किसानों को सात फीसदी की ब्याज दर से कर्ज देते हैं, उन पर बोझ न पड़े, इसके लिए सरकार ने यह फैसला किया है कि वह ब्याज दर में डेढ़ फीसदी की सहायता करेगी। यह मदद वित्त वर्ष 2022-23 से 2024-25 तक रहेगी। किसानों को पहले की तरह सात फीसदी की दर से कर्ज मिलता रहेगा।

दलित महिला शिक्षिका को जिंदा जलाया

जयपुर। राजस्थान के जालोर में दलित छात्र की मौत का मामला अभी शांत नहीं हुआ था, इससे पहले जयपुर में एक दलित महिला शिक्षिका को जिंदा जला दिया गया। दबंगों ने स्कूल जाते समय पेट्रोल डालकर महिला को आग लगा दी। आग से बुरी तरह झुलसी शिक्षिका की मंगलवार देर रात एसएमएस अस्पताल में मौत हो गई। यह घटना दस अगस्त की है। जिसका वीडियो बुधवार को सामने आया है। जानकारी के अनुसार दिल दहला देने वाली यह घटना जयपुर के रायसर गांव की है। 10 अगस्त सुबह आठ बजे रैगरों के मोहल्ले में रहने वाली शिक्षिका अनीता रेगर (32) अपने बेटे राजवीर (6) के साथ वीणा मेमोरियल स्कूल जा रही थी। इस दौरान कुछ दबंगों ने उसे घेर लिया और हमला कर दिया। बदमाशों से बचने के लिए अनीता पास ही में ही बने एक घर में घुस गई। उसके मदद के लिए डायल 100 को सूचना दी, लेकिन काफी देर बाद भी वहां पुलिस नहीं पहुंची।

अपहरण के आरोपित हैं बिहार के कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह, सीएम नीतीश कुमार बोले- मुझे जानकारी नहीं

पटना। बिहार की महागठबंधन सरकार में कानून मंत्री बनाए गए आरजेडी के कार्तिकेय सिंह उर्फ मास्टर कार्तिक विवादों में फंस गए हैं। पूर्व बाहुबली विधायक अनंत सिंह के करीबी मास्टर कार्तिक वर्ष

2014 के अपहरण के एक मामले में वे आरोपित हैं। दानापुर कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत की अर्जी पर सुनवाई करते हुए एक सितंबर तक के लिए राहत दे दी। इस मामले में कार्तिकेय सिंह ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। हलफनामा में सारी बातों की जानकारी दी गई है। वहीं सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि मुझे इस बात की जानकारी नहीं है। हालांकि इस मामले पर विपक्ष ने राजनीति शुरू कर दी है। प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी ने कहा है कि नई सरकार में जंगलराज की वापसी हो रही है। आरोप है कि 2014 में बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह के साथ कार्तिकेय व अन्य बिहटा में राजू सिंह का अपहरण करने गए थे। उसी मामले में बिहटा थाने में एफआइआर की गई थी। उसमें कार्तिकेय भी आरोपित बनाए गए। घटना के दौरान अनंत सिंह के काफिले की एक गाड़ी गुस्साए लोगों ने फूंक दी थी। अपहरण के मामले में कार्तिकेय सिंह के खिलाफ वारंट निकला था। उन्हें कोर्ट में सरेंडर करना था। इसी क्रम में 10 अगस्त को महागठबंधन की सरकार बन गई। दो दिन बाद 12 अगस्त को कोर्ट ने कार्तिक सिंह को एक सितंबर तक के लिए राहत दे दी। इसके बाद 16 अगस्त को कार्तिक ने मंत्री पद की शपथ ली। उन्हें विधि मंत्री बनाया गया। मामला सामने आने के बाद विपक्ष ने इसे मुद्दा बना लिया है। भाजपा ने कहा है कि नई सरकार में जंगलराज की वापसी हो रही है। सुशील मोदी के अनुसार महागठबंधन सरकार के मंत्रिमंडल में बाहुबलियों की भरमार कर नीतीश कुमार ने बिहार में डरावने दिनों की वापसी सुनिश्चित कर दी है। सुरेन्द्र यादव, ललित यादव, रमाकांत यादव और कार्तिकेय जैसे विधायक मंत्री बनाये गए, जिनके नाम से इलाके में लोग कांपते हैं।

मथुरा में अभेद्य सुरक्षा के बीच होगा कृष्ण जन्मोत्सव, तैनात रहेगी 25 जिलों की फोर्स

आगरा। भगवान श्रीकृष्ण के 5248 वें जन्मोत्सव की अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था की गई है। आतंकवादी निरोधक दस्ता (एटीएस) की पैनी निगाहें रहेंगी। स्थानीय पुलिस बल के साथ 25 जिलों का भी फोर्स तैनात किया गया है। गुरुवार रात को फोर्स सुरक्षा की कमान संभाल लेगा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं के कदम कान्हा की नगरी ओर बढ़ने लगे हैं। 19 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर अजन्मे का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। कन्हैया लाल के जन्मोत्सव के दर्शन करने को देश-दुनिया से लाखों श्रद्धालुओं के श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर पहुंचने का अनुमान है। उनकी सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। लखनऊ, कानपुर जोन समेत विभिन्न जिलों से पुलिस बल बुलाया गया है। स्थानीय पुलिस बल की ड्यूटी लगाई जा रही है। 18 अगस्त की रात को सुरक्षा बल शहर की नाकाबंदी कर लेगा। इसके लिए 70 स्थानों पर बैरियर भी लगाए गए हैं। मसानी, भूतेश्वर, पोतरा कुंड, भरतपुर गेट के बैरियर से श्रीकृष्ण जन्मस्थान की तरफ कोई वाहन नहीं जाएगा। पूरे क्षेत्र को नौ व्हीकल जोन घोषित किया गया है। इस क्षेत्र में ड्यूटी अधिकारियों के वाहनों को ही प्रवेश मिल पाएगा। निगरानी के लिए दस नए वाच टावर बनाए गए हैं। ड्रोन कैमरे से मेला परिसर क्षेत्र की भी निगरानी की जाएगी। इसके साथ ही सीसीटीवी से भी पूरे इलाके को कवर्ड किया गया है। बिना तलाशी के किसी को भी अंदर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को लेकर खुफिया तंत्र भी सक्रिय हो गई है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि के आसपास होटल, गेस्ट हाउस और धर्मशाला में ठहरे लोगों का पता किया जा रहा है। क्षेत्रीय नागरिकों को भी सजग किया गया है। संदिग्ध नजर आने पर उनकी तत्काल ही जानकारी देने को कहा गया है। इसके अलावा डीगगेट-भरतपुर रोड, नई बस्ती, मेवाती मुहल्ला, मनोहरपुरा, भूतेश्वर, मसानी रोड, भूतेश्वर रेलवे स्टेशन, ओम नगर, राम नगर गोविंद नगर, जगन्नाथपुरी आदि में चल रही गतिविधियों की जानकारी की जा रही है।

अनुब्रत मंडल की बेटी ने सीबीआई से नहीं की बात, कहा- मानसिक स्थिति ठीक नहीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के गाय तस्करी मामले में गिरफ्तार टीएमसी नेता अनुब्रत मंडल की बेटी सुकन्या मंडल ने बुधवार को सीबीआई के अधिकारियों से बात करने से इंकार कर दिया। सीबीआई की एक टीम आज दोपहर करीब साढ़े बारह बजे राज्य के बीरभूम जिले के बोलपुर में स्थित अनुब्रत मंडल के आवास पर पहुंची। टीम में एक महिला अधिकारी भी शामिल थीं। इस दौरान अधिकारियों को घर के अंदर आने की तो इजाजत दी गई लेकिन सुकन्या ने उनसे बात करने और उनके सवालों का जवाब देने से इंकार कर दिया। सीबीआई के सूत्रों के मुताबिक, सुकन्या ने कहा कि वह अभी बात करने की मानसिक स्थिति में नहीं है क्योंकि एक तरफ जहां उसके पिता हिरासत में हैं, वहीं एक साल पहले उसने अपनी मां को खोया है। वह इन सारी चीजों से परेशान है। सीबीआई की टीम ने लगभग दस मिनट तक सुकन्या को

मनाने की काफी कोशिश की और जांच में सहयोग करने के लिए कहा, लेकिन बात नहीं बनी। सीबीआई को शक है कि ये दोनों कंपनियां मवेशियों की अवैध तस्करी से जुटाए गए काले धन को छिपाने के लिए बनाई गई अवैध पशु व्यापार की आय को अलग-अलग रास्ते पर ले जाने के लिए मुखौटा कंपनियां हैं। सूत्रों ने कहा कि सीबीआई के द्वारा एएनएम एग्रोचेम फूड्स प्राइवेट लिमिटेड और नीर डेवलपर प्राइवेट लिमिटेड दो कंपनियों का पता लगाए जाने के बाद सुकन्या मंडल से पूछताछ करना अब जरूरी हो गया क्योंकि इन कंपनियों के डायरेक्टर्स में से वह एक है। दूसरे डायरेक्टर विद्युत गायेन है। सवाल यह है कि राज्य सरकार द्वारा संचालित एक स्कूल में प्राइमरी टीचर सुकन्या के नाम इतनी संपत्ति कैसे हो सकती है। सीबीआई के सूत्रों ने कहा है कि इन दो कंपनियों के अलावा बैंक में सुकन्या के कई निजी और पिता सहित परिवार के अन्य सदस्यों के साथ ज्वॉइंट अकाउंट हैं। इन पर भी सीबीआइ की नजर है।

मेरठ में दो बच्चियों संग मां की मौतः स्मार्ट फोन की चाहत में दांव पर लगा दी तीन जिंदगी

मेरठ। चार साल पहले मुस्ताक और आयशा एक दूजे पर जान न्योछावर करने के लिए तैयार रहते थे। तब आयशा के इशारा करने पर ही मुस्ताक उसकी हर ख्वाहिश पूरी करता था। मुस्ताक के प्यार में आयशा ने अपने परिवार को भी हमेशा के लिए छोड़ दिया था। ट्रक चालक मुस्ताक के शराब पीने के बाद दोनों में विवाद होने लगा। मंगलवार की सुबह दस बजे आयशा का बटन वाला फोन टूट गया। उसने मुस्ताक से स्मार्ट फोन दिलवाने की जिद की, जबकि मुस्ताक बटन वाले फोन को ठीक कराने की बात कर रहा था। इसी बात को लेकर दंपती में विवाद हो गया। गुस्से में आकर मुस्ताक ने आयशा तो थप्पड़ मार दिया। उसके बाद आयशा ने पहले घर के अंदर रखे कपड़ों में आग लगा दी। उसके बाद दो साल की आइफा और छह माह की अलफिशा को साथ लेकर घर से जंगल की तरफ निकल गई थी। शीशम के पेड़ पर करीब 12 फीट ऊंचाई पर महिला ने दोनों को कैसे चढ़ाया होगा। बच्चों को चढ़ाने के बाद महिला खुद ही पेड़ पर कैसे चढ़ी। उसके बाद अकेली महिला ने एक साथ दोनों बच्चों के गले में दुपटटा बांधकर फांसी पर कैसे लटकाया। बच्चों को दुपटटे से फांसी पर लटकाया और खुद ही लटक गई। तीनों को एक साथ पेड़ पर लटके देखकर यकीन नहीं करेंगा की महिला ऐसा दुस्साहसिक कदम उठा सकती है। इसी के चलते पुलिस ने महिला के पति मुस्ताक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। मुस्ताक का कहना है कि ग्रामीणों से उसे आयशा और दोनों बच्चों के पेड़ पर लटके की सूचना मिली है। उसके बाद ही मुस्ताक मौके पर पहुंचा और पुलिस की मदद से शव को नीचे उतरवा कर पोस्मार्टम के लिए भेजा। आयशा सुबह 11 बजे दोनों बच्चों के साथ घर छोड़कर जंगल में चली गई थी। उसके गुस्से में देखकर मुस्ताक ने यूपी-112 पर काल की। पीआरवी के मौके पर पहुंचने के बाद उनके साथ मिलकर आयशा की तलाश की।

भाजपा के नए संसदीय बोर्ड का एलान, शिवराज और गडकरी बाहर, येदियुरप्पा समेत इन नेताओं को मिली एंट्री

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की ओर से नए संसदीय बोर्ड का एलान किया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि बोर्ड में वरिष्ठ नेता व मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को जगह नहीं मिली है। वहीं बीएस येदियुरप्पा व सबार्नंद सोनोवाल जैसे नेताओं को संसदीय बोर्ड में एंट्री मिली है। शिवराज सिंह चौहान और नितिन गडकरी को केंद्रीय चुनाव समिति से भी बाहर कर दिया गया है।

ये लोग संसदीय बोर्ड में- जेपी नड्डा (अध्यक्ष), नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह, अमित शाह, बीएस येदयुरप्पा, सबार्नंद सोनोवाल, के लक्ष्मण, इकबाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव, सत्यनारायण जटिया, बीएल संतोष (सचिव)

इसके अलावा केंद्रीय चुनाव समिति का भी गठन किया गया है। इसमें 15 सदस्यों को शमिल किया गया है। केंद्रीय संसदीय समिति की तरह चुनाव समिति का अध्यक्ष भी जेपी नड्डा को बनाया गया है।

ये नाम चुनाव समिति में- जेपी नड्डा, नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह, अमित शाह, बीएस येदियुरप्पा, सबार्नंद सोनोवाल, के लक्ष्मण,

इकबाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव, सत्यनारायण जटिया, भूपेंद्र यादव, देवेंद्र फडणवीस, ओम माथुर, बीएल संतोष, वनथी श्रीनिवास।

देवेंद्र फडणवीस का बढ़ा कद - भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का कद बढ़ाया है। दरअसल, महाराष्ट्र में हुई सियासी उठापटक के बाद शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया गया था। जबकि, देंवेंद्र फडणवीस पहले इस राज्य के सीएम रह चुके थे। एकनाथ शिंदे के सीएम बनने के बाद फडणवीस ने कैबिनेट से भी बाहर रहने का एलान किया था। हालांकि, बाद में केंद्रीय नेतृत्व के आदेश पर उन्होंने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अब भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति में उनको जगह देकर उनके कद को बढ़ाया गया है। इसी तरह पार्टी ने कर्नाटक में भी समीकरण साधने की कोशिश की है। कर्नाटक में कुछ समय पहले भाजपा ने येदियुरप्पा को सीएम पद से हटाया था। अब उन्हें केंद्रीय संसदीय बोर्ड में शामिल कर उनकी ताकत को बढ़ाया गया है।

पत्नी की दूसरी महिलाओं से तुलना करना और बार बार ताना मारना भी है मानसिक क्रूरता : केरल हाईकोर्ट

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने माना है कि, अन्य महिलाओं के साथ पत्नी की तुलना करना और उसकी अपेक्षाओं के अनुरूप जीवनसाथी न होने के लिए लगातार उसे ताना मारना एक पति द्वारा मानसिक क्रूरता के समान है और जिसे एक पत्नी द्वारा सहन करने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। यह फैसला उच्च न्यायालय ने अपनी पत्नी से लगभग 13 साल अलग रहने के बाद उसकी शादी को अमान्य करार करने के फैमिली कोर्ट के आदेश के खिलाफ एक व्यक्ति की अपील को खारिज करते हुए सुनाया है। जबकि फैमिली कोर्ट ने शारिरिक संबंध ना बनने के आधार पर कपल की शादी को अमान्य करार दिया था। न्यायमूर्ति अनिल के. नरेंद्रन और सी एस सुधा की पीठ ने यह कहते हुए इसे संशोधित किया कि तलाक अधिनियम 1869 के तहत पति द्वारा मानसिक क्रूरता के कारण विवाह अमान्य हो गया है। पीठ ने कहा, प्रतिवादी/पति का लगातार और बार-बार ताना मारना कि याचिकाकर्ता उसकी उम्मीदों वाली पत्नी नहीं है और अन्य महिलाओं के साथ तुलना आदि करना निश्चित रूप से मानसिक क्रूरता होगी, जिसे एक पत्नी द्वारा सहन करने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। यह निष्कर्ष पत्नी और उसकी मां की दलीलों, गवाही और पति द्वारा उसकी व्यक्तिगत ईमेल आईडी से उसकी आधिकारिक ईमेल आईडी पर कथित रूप से भेजे गए एक ईमेल के आधार पर आया, जिसमें जीवन साथी की अपनी अपेक्षाओं को व्यक्त किया गया था और उसे अपने खुद के रिश्ते में अच्छे आचरण के निर्देश दिए गए थे। पीठ ने कहा कि मामले में सभी दलीलें याचिकाकर्ता (पत्नी) के प्रति प्रतिवादी (पति) की ओर से अध्ययन की गई उपेक्षा और उदासीनता का मामला बनाती हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि, आरोपों से यह भी पता चलता है कि प्रतिवादी ने याचिकाकर्ता के साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाए, क्योंकि वह उसे शारिरिक रूप से आकर्षक नहीं मानता था।

संपादकीय

दूध में उबाल

थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े भले बताते रहें कि महंगाई घटने लगी है, लेकिन हकीकत में ऐसा दिखता नहीं। उन चीजों के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं जो आमजन की रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी हैं। आज से दूध और महंगा हो गया। मदर डेयरी और अमूल ने एक बार फिर दूध के दाम दो रुपए प्रति लीटर बढ़ा कर लोगों पर बोझ और बढ़ा दिया। जबकि ये दाम अभी मार्च में भी बढ़ाए गए थे। अब दूसरी कंपनियों के लिए भी दाम बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया। दूध ऐसी चीज है जिसकी खपत सबसे ज्यादा होती है। शायद ही कोई घर हो जहां दूध इस्तेमाल न होता हो। वैसे भी चाय से लेकर होटल, रेस्तरां और मिठाइयां बनाने तक में इसका इस्तेमाल होता है। ऐसे में दूध से बनने वाली हर चीज भी और महंगी होगी। चाय की थड़ियों पर इसका असर कहीं ज्यादा दिखेगा। यानी दूध के दाम बढ़ने से सबसे ज्यादा मार गरीब पर ही पड़नी है। दूध के दाम इस समय क्यों बढ़ाना पड़े, इसे लेकर कंपनियों के पास कोई नया कारण नहीं दिख रहा। दाम बढ़ाने की वजह बढ़ती लागत ही बताई जा रही है। कहा जा रहा है कि पिछले पांच महीनों में दूध उत्पादन और इससे जुड़े खर्च तेजी से बढ़े हैं। गौरतलब है कि कंपनियां ज्यादातर दूध किसानों और पशुपालकों से ही खरीदती हैं। ऐसे में कंपनियों को किसानों से जिस दाम पर दूध मिलता है, वह दाम बढ़ोतरी का एक बड़ा कारण माना जा सकता है। वैसे भी कंपनियां अपना लगभग अस्सी फीसद पैसा दूध खरीद पर खर्च करने की बात कहती रही हैं। इस बार भी किसानों से दूध खरीद की लागत दस से ग्यारह फीसद बढ़ने की बात कही जा रही है। हालांकि किसानों की भी अपनी मजबूरी है। चारे के बढ़ते दाम से किसान भी संकट में हैं। ऐसे में बात घूम-फिर कर वहीं आ जाती है कि अगर कंपनियों को ही दूध महंगा मिलेगा तो वे सस्ता कैसे बेचेंगी। जाहिर है, उसकी लागत उपभोक्ता से ही वसूलेंगी। इसके अलावा कई कंपनियां परिचालन लागत बढ़ने की बात भी कहती रही हैं। बिजली महंगी होने से लेकर दूध की पैकिंग और ढुलाई जैसे खर्च भी लगातार बढ़ ही रहे हैं। इससे भी कंपनियों को दाम बढ़ाने का बहाना मिल गया। यह सही है कि कंपनियों की लागत बढ़ रही है, लेकिन इस बढ़ती लागत की वसूली का रास्ता भी तो तर्कसंगत होना चाहिए। आम आदमी पर ही बोझ डाल कर लागत वसूलने को तो जायज नहीं ठहराया जा सकता। दूध कंपनियां दूध के अलावा भी कई तरह के उत्पाद बेचती हैं। मसलन, दही, छाछ, पनीर, चीज, आइसक्रीम और दूध से बनने वाली मिठाइयां भी। इनके दामों को थोड़ा समायोजित कर दूध के दाम स्थिर रखे जा सकते हैं। हालांकि दूध के दाम बढ़ने से इनके दाम भी स्वत ही बढ़ जाते हैं। पर इनके दाम बढ़ने का असर उतना नहीं दिखता, जितना कि दूध महंगा होने से तत्काल दिखाई देने लगता है। अभी संकट यह है कि रसोई गैस से लेकर आटा, डबलरोटी जैसी चीजों सहित खाने-पीने की ज्यादातर वस्तुओं के दाम पहले से ही आसमान छू रहे हैं। पिछले महीने खाद्य पदार्थों पर जीएसटी ने मुश्किलें और बढ़ा दीं। उधर, पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाने की चचाएं भी हैं। यानी महंगाई तो और बढ़ेगी। संकट यह है कि लोगों की आमद बढ़ नहीं रही है। ऐसे में दूध के बढ़े दाम क्या और मुश्किलें पैदा नहीं करेंगे?

आज हैं फरार !

लेकर के शपथ ।
आज हैं फरार ।।
बदली है सरकार ।
आई है बहार ।।
पता नहीं चल पाया ।
मामला पर आया ।।
जल्दबाजी ने आखिर ।
दिन ये आज दिखाया ।।
चल रहा मनोरंजन ।
आज अब भरपूर ।।
ध्यान देने वाली ।
बात पर जरूर ।।
स्थिति हास्यास्पद है ।
रही ये चर्चा चल ।।
देखते कुछ शायद ।
निकल आए हल ।।

–कृष्णेन्द्र राय

रक्षा क्षेत्र की बदलती तस्वीर

नब्बे के दशक में जहां भारत हथियारों का पता लगाने वाली राडार प्रणाली हासिल करने के लिए अमेरिका और इजराइल के सामने हाथ फैलाने को मजबूर था, वहीं हाल में भारत ने यही राडार प्रणाली आर्मेनिया को बेच कर रक्षा बाजार में अपना झंडा गाढ़ा है। हाल के वर्षों में रक्षा क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ा है। महत्त्वपूर्ण यह कि आज भारत दूसरे देशों को अपने बनाए हथियार और रक्षा साजोसामान बेच भी रहा है। देश में हथियारों और मिसाइलों के निर्माण का काम भी तेजी से शुरू हो चुका है। ब्रह्मोस मिसाइल के अलावा आकाश वायु रक्षा प्रणाली और स्वदेशी जेट विमान तेजस की भी पूरी दुनिया में धूम मची है। बड़े-बड़े देशों ने तेजस को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। रक्षा उपकरणों का सबसे बड़ा आयातक अमेरिका भी पूरी तरह भारत में विकसित इस लड़ाकू विमान में रुचि ले रहा है। अमेरिका, आस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और फिलिपीन सहित छह देश तेजस की खरीद के लिए आगे आए हैं। मलेशिया तो पहले ही इस विमान को खरीदने के लिए प्रस्ताव रख चुका है। इसके तहत वह भारत से अठारह तेजस खरीदने का इच्छुक है। हिंदुस्तान एअरोनाटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित तेजस एक इंजन वाला बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है, जिसकी क्षमता अत्यधिक खतरे वाले माहौल में परिचालन की है। देश की आजादी के बाद कई क्षेत्रों में बड़े काम हुए, लेकिन रक्षा क्षेत्र एक तरह से उपेक्षित ही रहा। इसका नतीजा यह हुआ कि दशकों तक भारत भारत रक्षा सामान और हथियारों के लिए दूसरे देशों पर ही निर्भर बना रहा। अगर इस ओर शुरू से ही ध्यान दिया जाता तो शायद 1962 में हम चीन से जंग में हारते नहीं। तब हमारे सैनिकों के पास लद्दाख जैसे ठंडे इलाके में लड़ने के लिए उपयुक्त सैन्य पोशाक और जूते तक नहीं थे। लेकिन इसके बाद भी लंबे समय तक भारत रक्षा उपकरणों और छोटे-छोटे जरूरी सामान के लिए दूसरे देशों का ही मुंह ताकता रहा। कुछ साल पहले तक भी भारत रक्षा क्षेत्र में उपयोग होने वाले लगभग ज्यादातर उत्पाद, हथियार और उपकरण विदेशों से खरीदे जाते रहे। यही कारण रहा कि भारत पूरे विश्व में रक्षा उपकरणों का सबसे बड़ा आयातक देश बना रहा। पर अब हालात बदल रहे हैं। आज दक्षिण पूर्व एशिया में भारत का दबदबा बढ़ रहा है। हथियार निर्यात से न केवल देश की आय बढी है, बल्कि फिलिपीन के बाद वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देशों ने भी भारत से हथियार खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। चीन दक्षिण चीन सागर से लेकर दक्षिण पूर्व एशिया तक विस्तारवादी नीति पर चल रहा है। इसलिए दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लिए वह बड़ी चुनौती बन गया है। जाहिर है, ऐसे में हर देश के लिए सैन्य ताकत बढ़ाना वक्त की जरूरत बनता जा रहा है और संयोग से यह अवसर भारत को मिल रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल के अलावा भारत में विकसित वायु रक्षा प्रणाली की भी दुनिया के रक्षा बाजार में खासी धूम है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी हमसे ये हथियार प्रणालियां खरीदना चाह रहे हैं। अभी मोटे तौर पर करीब बयालीस देश भारत से रक्षा उपकरणों और हथियारों का आयात करते हैं। इन देशों में कतर, लेबनान, इराक, इक्वाडोर और जापान जैसे देश भी शामिल हैं।

भारत से निर्यात होने वाले रक्षा उपकरणों और हथियार प्रणालियों में प्रमुख रूप से युद्धक स्थितियों में शरीर की सुरक्षा करने वाले उपकरण शामिल हैं। वियतनाम, इंडोनेशिया और फिलिपीन के अलावा बहरीन, केन्या, सऊदी अरब, मिस्र, अल्जीरिया और संयुक्त अरब अमीरात ने भी आकाश मिसाइल को खरीदने में अपनी रुचि दिखाई है। कई अन्य देश तटीय निगरानी प्रणाली, राडार और एअर प्लेटफार्म खरीदना चाह रहे हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और दक्षिण अफ्रीका भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने के लिए बात कर रहे हैं। ध्वनि की रफ्तार से तीन गुना तेज चलने वाली ब्रह्मोस मिसाइल भारत-रूस सैन्य सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इसके निर्माण के लिए दोनों देशों के बीच 1998 में सहमति हुई थी। ब्रह्मोस मिसाइल का नाम ब्रह्मपुत्र और मस्क्वा नदियों के नामों को मिला कर रखा गया है। आज भारत रक्षा उपकरणों के निर्यात के मामले में दुनिया के शीर्ष पच्चीस देशों की सूची में शामिल हो गया है। वर्ष 2019 में रक्षा उपकरणों के निर्यात के मामले में भारत का स्थान उन्नीसवां था। नब्बे के दशक में जहां भारत हथियारों का पता लगाने वाली राडार प्रणाली हासिल करने के लिए अमेरिका और इजराइल के सामने हाथ फैलाने को मजबूर था, वहीं हाल में भारत ने यही राडार प्रणाली आर्मेनिया को बेच कर रक्षा बाजार में अपना झंडा गाढ़ा है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार भारत ने वित्त वर्ष 2017 में एक हजार पांच सौ इक्कीस करोड़ रुपए के रक्षा उपकरणों का निर्यात किया था, जो वित्त वर्ष 2018 में चार हजार छह सौ बयासी करोड़ रुपए का रहा और वित्तीय वर्ष 2019 में बढ़ कर दस हजार सात सौ पैंतालीस करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया था। कुल मिला कर पिछले सात वर्षों के दौरान भारत ने पचहत्तर से अधिक देशों को अड़तीस हजार करोड़ रुपए के रक्षा उपकरणों का निर्यात किया है। नौसैनिक जहाजों का पूरी तरह से भारत में ही निर्माण भी एक बड़ी कामयाबी रही है। भारत की रक्षा उपकरण निर्माण कंपनियों ने सस्ती गश्ती नौकाएं बना कर दूसरे देशों को बेची हैं। इसी प्रकार हवाई रक्षा क्षेत्र में हिंदुस्तान एअरोनाटिक्स लिमिटेड ने प्रयोग के तौर पर उच्च स्तरीय हल्के हेलिकाप्टर का निर्माण भी सफलतापूर्वक किया है। अब तो सरकारी एवं निजी क्षेत्र में कई रक्षा उपकरण उत्पादक कंपनियां नए उत्पादों के साथ दुनिया के अन्य देशों से मुकाबला करने की स्थिति में आ रही हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 के रक्षा बजट में यह व्यवस्था की गई है कि शोध एवं अनुसंधान पर खर्च की जाने वाली कुल राशि का पच्चीस प्रतिशत भाग निजी उद्योगों एवं नवाचारी उद्योगों को उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, रक्षा सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए बारह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.52 लाख करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई है। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि सरकार ने 2024-25 तक रक्षा निर्यात लक्ष्य 36,500 करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इस वक्त सरकार का जोर स्वदेशी हथियार निर्माण पर अधिक है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए केंद्र ने आर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड और इकतालीस आयुध निर्माण फैक्ट्रियों को मिला कर रक्षा क्षेत्र में सात सार्वजनिक उपक्रम (डीपीएसयू) बना दिए हैं।

इसका उद्देश्य प्रशासनिक चुस्ती के साथ कामकाज में पारदर्शिता और तेजी लाना है। बीते आठ वर्ष में भारत के रक्षा निर्यात में करीब छह गुना वृद्धि हुई है। फिलिपीन के साथ 2,770 करोड़ रुपए का रक्षा सौदा मील का पत्थर है। पिछले चार-पांच वर्षों में देश का रक्षा आयात लगभग इक्कीस फीसद कम हुआ है। दूसरी ओर, रक्षा निर्यात सात गुना बढ़ा है। भारत वैश्विक मंच पर जैसे-जैसे खुद को स्थापित कर रहा है, उसी के साथ चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय रक्षा अब सीमाओं तक सीमित नहीं है, यह बहुत व्यापक है। इसलिए हमें इन चुनौतियों से निपटना होगा। हमें उन ताकतों के प्रयासों को विफल करना होगा, जो भारत के हितों को नुकसान पहुंचाना चाहती हैं। और ऐसा तभी किया जा सकता है जब हम रक्षा-सुरक्षा में आत्मनिर्भर हों। रक्षा संबंधी जरूरतों का सामान अपने यहां बना सकें। अगर हथियार, रक्षा प्रणालियां और सैन्य साजोसामान के मामले में पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बन जाता है तो दुनिया का कोई देश हमें दबाव में नहीं ले पाएगा।

भाषा के भाग्य विधाता

अभी हाल में गूगल ने चौबीस नई भाषाओं को अपनी मशीनी अनुवाद प्रणाली में जोड़ा, जिनमें देश की आठ भाषाएं- संस्कृत, भोजपुरी, डोगरी, असमिया, मिजो, कोंकणी, मैथिली और मणिपुरी शामिल हैं। जबकि इसमें पहले से बांग्ला, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, नेपाली, ओड़िया, पंजाबी, सिंधी, तमिल, तेलुगू और उर्दू जैसी भारतीय भाषाएं थीं। इस प्रकार अब तक विश्व की कुल एक सौ तैंतीस भाषाओं के मध्य परस्पर मशीनी अनुवाद की व्यवस्था गूगल ने कर दी है, जो भारतीय सहित वैश्विक भाषाई अवरोध को पार करने की दृष्टि से एक बड़ी उपलब्धि है। गूगल अनुवाद एक ऐसे पुल की तरह है, जो ऐप के माध्यम से मोबाईल पर कार्य करने की अपनी सुविधा के कारण लोगों की जेब में हमेशा रहता है। हां, अनुवाद की गुणवत्ता का सवाल हमेशा प्रासंगिक रहता है और यहां भी है, लेकिन इन सबके बावजूद कई बहुसंख्यक भाषाओं में यह बढ़िया अनुवाद करने लगा है। बहरहाल, गूगल से हाल की जुड़ी भाषाओं को देखने पर कई उत्साहजनक निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं, जिनमें प्रमुख यह है कि भारतीय ज्ञान परंपरा की एक प्रतिनिधि भाषा संस्कृत में अभी तक सक्षम मशीनी अनुवाद प्रणाली नहीं थी और आज हम गूगल की शोध उपलब्धि को अपने माथे पर लगा कर गर्व महसूस कर रहे हैं, दूसरा यह कि इनमें भोजपुरी जैसी भाषा भी है, जिसे देश के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए एक समांतर आंदोलन चलता रहता है। सरकार ने तो इधर नहीं देखा, पर संख्या बल के महत्त्व को स्वीकार करते हुए गूगल यानी बाजार ने भोजपुरी को अपना संरक्षण प्रदान कर दिया है। इन भाषाओं में मिजो और कोंकणी जैसी भाषाएं भी हैं, जिन्हें बोलने वालों की संख्या तुलनात्मक रूप से बहुत कम है और देश में संख्या बल के अधिक्रम में ये बहुत नीचे आती हैं। ऐसे में, अब निश्चित रूप से अल्पसंख्यक भाषा-भाषियों को भी उम्मीद सीधे गूगल से ही करनी चाहिए कि उनकी भाषाओं को इस सूची में जोड़ा जाएगा।

ऐसी उम्मीद का एक बड़ा आधार यह भी है कि वर्तमान शोध प्रक्रिया में गूगल जिस तकनीक का उपयोग कर रहा है, उसमें वह ह्यजीरो शाटह्ल पद्धति का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें एक भाषी कार्पस अर्थात ह्यडिजिटल टेक्स्टह्ल से भी कृत्रिम मेधा के आधार पर एल्गोरिथ्म का विकास किया गया

है, जबकि गूगल का शुरूआती शोध द्विभाषी यानी समांतर कार्पस के मुक्त दोहन और अकूत संग्रह के आधार पर केंद्रित था। जाहिर है, यह भाषाई डेटा गूगल मुफ्त में लोगों की रचनात्मक गतिविधियों से चुरा कर लेता है। हालांकि यहां सकारात्मक रूप में इसको इस तरह से भी देखा जाना चाहिए कि कोई अल्पसंख्यक भाषा-भाषी, जब अपनी भाषा के माध्यम से इंटरनेट की दुनिया में जितना अधिक सक्रिय रहेगा, उतना ही अधिक संभावना है कि गूगल उनकी भाषाओं की भी सुध ले और उनको भी प्रौद्योगिकीय मंचों पर मुख्य धारा की भाषाओं के साथ खड़ा करे। निश्चित रूप से इन सबके बीच उसका अपना हित तो है ही। खैर यह सब देखते हुए 2010-12 के दौरान की कुछ घटनाएं याद आ रहीं हैं, जिसमें एक दिवंगत शिक्षक, जो देश में मशीनी अनुवाद के पुरोधाओं में से एक थे, के अपने अनुभव भी हैं। वे उन दिनों भारत सरकार के लिए काम रहे थे और अपने शोध की तमाम उपलब्धियों के बावजूद कई बार नौकरशाही को लेकर हताश दिखते थे, जिसमें नौकरशाही उनके प्रयास से विकसित हो रहे मशीनी अनुवाद प्रणाली की गूगल से तुलना करती थी, जबकि दोनों के सामर्थ्य, संसाधन और कार्य-पद्धति में कोई तुलना संभव ही नहीं था। देश में मशीनी अनुवाद का यह वही दौर था, जब नियम आधारित प्रणाली अपने चरम पर थी और गूगल की सांख्यिकीय पद्धति अपनी प्रारंभिक अवस्था में थी। यानी किसी नदी पर एक-एक ईंट जोड़ कर पुल बनाने का काम देश में हो रहा था, जो तत्कालीन परिस्थितियों में सफल भी था, जबकि गूगल की पद्धति उसी पुल को जेसीबी मशीन से रातों-रात बनाने जैसा है। देश में मशीनी अनुवाद के शोध का यह कशमकश चल ही रहा था कि 2012 में भारत सरकार के इन कार्यों से जुड़े एक शीर्ष अधिकारी ने व्यक्तिगत बातचीत में बताया कि ह्यनहीं, अब हम लोग मशीनी अनुवाद के लिए कुछ नहीं करेंगे, क्योंकि गूगल कर रहा है।ह्ल ऐसे में, जब आज हम गूगल के इन प्रयासों को देख रहे हैं, तो यह भी समझ में आ रहा है कि गूगल की इन उपलब्धियों में देश की सरकारों का भी उतना ही सहयोग है, वह चाहे अज्ञानता या अकर्मण्यता के कारण हो या दूरदृष्टि के अभाव में। प्रकारांतर से सरकारी नीतिगत रिक्तता के कारण ही गूगल ने हमारे इंटरनेट डेटा का मुक्त दोहन किया है और आज उससे उत्पाद बना कर हमें ही परोस रहा है और विकल्पहीन परिस्थितियों में हमारे पास जश्न मनाने के अलावा कोई दूसरा काम भी नहीं है।

देशभक्ति की इस उमड़ी हुई भावना को अब सही दिशा देने की जरूरत है

भारतीयों की देशभक्ति की भावना पूरे उफान पर है। देशभक्ति पूरी तरह नजर आ रही है। सब जगह नजर आ रही है। ऐसा होना बहुत अच्छा है। इससे हमारी एकजुटता, देश की एकता और अखंडता झलक रही है। विरोधियों के कान खड़े हो रहे हैं। उन्हें खतरा लगने लगा है किंतु जरूरत इसे अभी सही दिशा और देने की है। ये भावना, देशभक्ति का जज्बा यदि सही दिशा की ओर मुड़ जाए तो दावे के साथ कहा जा सकता है कि देश दुनिया का सिरमौर बन जाएगा। चीन हो या अमेरिका हमें धमकाने की सोच भी नहीं सकेगा। हमला करने की बात तो संभव ही नहीं होगी। चीन या अन्य कोई देश हमारी और आंख उठाकर देखने की भी हिम्मत नहीं करेगा।

इस देश भक्ति की भावना की शुरूआत देश में कोरोना शुरू होने के समय से प्रारंभ हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हमने कोरोना वॉरियर के सम्मान में थाली, चिमटे, घंटे और घड़ियाल बजाए। उन पर फूलों की वर्षा की। उन्हें जगह-जगह सम्मानित किया। कुछ राजनैतिक विरोधियों और वामपंथियों ने इसका मजाक उड़ाया, किंतु उनकी आवाज कोई प्रभाव नहीं छोड़ सकी। हाल में आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' रिलीज होनी थी। इसके रिलीज होने से पहले ही देश में फिल्म का जोर-शोर से विरोध शुरू हो गया। फिल्म रिलीज हुई। इसके बॉयकॉट के विरोध का असर ये रहा कि बॉक्स आफिस पर बुरी तरह पिट गई। ग्राहकों ने सिनेमा हाल की ओर जाना भी गंवारा नहीं किया। इससे पहले विरोध करने वाले, फिल्म चलाने वाले सिनेमा घरों पर फिल्म चलाने के विरोध में प्रदर्शन करते थे। फिल्म देखने जाने वाले दर्शकों को रोकते थे। अबकी बार इसकी जरूरत ही नहीं पड़ी। दर्शक स्वयं ही सिनेमाघरों की ओर नहीं गए। इसी तरह विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' के साथ भी हुआ। आने से पहले ही इसके पक्ष में प्रचार शुरू हो गया। हालत यह हुई कि जब हमने इस फिल्म के पहली रात में टिकट बुक किए तब तक चार टिकट बुक हुए थे। अगले दिन दोपहर में जब हम फिल्म देखने गए, सिनेमा हाल की सारी सीट भरी थीं। इसके समर्थन का असर यह हुआ कि जो फिल्म नहीं देखते थे, वे भी देखने गए। परिणाम स्वरूप फिल्म ने मोटा धन कमाया।

अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव पर जनता से घर-घर तिरंगा फहराने का आह्वान किया। तिरंगा यात्रा निकालने की अपील की। इस बार विरोध के लिए विरोध करने वाले कसमसा कर रह गए। कुछ भी नहीं कर सके। उन्होंने भी अपने घरों पर तिरंगा फहराया। तिरंगा यात्रा में

शामिल हुए। घरों पर तिरंगा फहराने के प्रति जनता में भारी जनून नजर आया। अधिकांश घरों पर तिरंगा लहराया गया। स्कूल, कॉलेज ही नहीं मदरसों में भी तिरंगा फहराया गया। हिंदू ही नहीं मुस्लिम और सिख भी तिरंगा यात्रा में जोश के साथ शामिल हुए। जिस जम्मू-कश्मीर राज्य में तिरंगा फहराने की कल्पना भी किसी ने नहीं की थी, वहां भी तिरंगा फहराया गया। तिरंगा यात्रांए निकलीं। पाकिस्तान समर्थक फरार चल रहे एक आतंकवादी के पिता ने भी अपने इलाके में तिरंगा यात्रा निकाली।

जनता में इस समय जो देशभक्ति की भावना उमड़ी हुई है, अब इसे सही दिशा देने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से 15 अगस्त को आह्वान किया कि हमें आत्मनिर्भर बनना है। हम कब तक एनर्जी सेक्टर में किसी और पर निर्भर रहेंगे। सोलर का क्षेत्र, विंड एनर्जी का क्षेत्र, मिशन हाइड्रोजन, बायो फ्यूल की कोशिश, इलेक्ट्रिक व्हीकल पर जाने की बात हो, हमें आत्मनिर्भर बनकर इन व्यवस्थाओं को आगे बढ़ाना होगा। प्रधानमंत्री का सीधा आह्वान है कि स्वदेशी को बढ़ावा दिया जाए। सब कुछ अपने यहां पैदा हो, किंतु हालात इसके विपरीत हैं। प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के समय से चीन भारत को हड़पने की काशिश में है। पिछले लगभग दो साल से उनकी सेना सीमा पर हमें बरबाद करने के लिए तनी खड़ी है। हमारे बड़े दुश्मन पाकिस्तान से मिलकर वह हमें घेरने में लगा है। सीमाओं पर उसकी ओर से युद्ध की बड़ी तैयारी चल रही हैं।

चीन के इरादे देख दो साल पहले चीन और चीन के सामान के बॉयकॉट का नारा लगा। देशवासियों में कुछ चेतना आई। बॉयकॉट शुरू हुआ। पर लगता है कि वह सोशल मीडिया तक ही सीमित रहा। सच्चाई कुछ और है। अलग है। भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों से यह साफ तौर पर जाहिर होता है कि भारत की चीन के आयात पर निर्भरता लगातार बढ़ रही है। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2021-22 में दोनों देशों के बीच करीब 115 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। ये पिछले साल की तुलना में बढ़ा है। पिछले साल यह 86 अरब डॉलर था। यह आंकड़े यह बताने के लिए काफी हैं कि हम दिखावे के लिए बॉयकॉट करने की बात करते हैं। जबकि चीन का बना सामान हम धड़ल्ले से खरीद रहे हैं। चीन का बना सामान खरीद कर क्या हम अपने सबसे बड़े दुश्मन के हाथ मजबूत नहीं कर रहे? क्या हम दुशमन की शक्ति नहीं बढ़ा रहे? 1965 में पाकिस्तान से युद्ध के समय अमेरिका ने कहा था कि भारत युद्ध बन्द करे नहीं तो हम भारत को गेंहू भेजना बंद कर देंगे। उस समय हमारे यहां गेंहू का उत्पादन बहुत कम था।

देश की जरूरत के लिए अमेरिका हमें लाल (घटिया) गेंहू बेचता था। देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने उस समय देश को अमेरिका की इस चेतावनी से अवगत कराते हुए जय जवान-जय किसान का नारा दिया। किसानों से अपना उत्पादन बढ़ाने को कहा था। उन्होंने यह भी घोषणा की थी कि भोजन की कमी को देखते हुए देशवासी एक दिन का उपवास रखें। उस समय के जिंदा लोग आज भी उपवास रखते हैं। उनके आह्वान का परिणाम यह हुआ कि हमारा देश अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर ही नहीं हुआ, आज उसका निर्यात भी करने लगा है।

प्रकृति की भाषा समझेंगे तभी बचा सकेंगे पर्यावरण

35 अरब
वृक्ष हैं भारत में, हर व्यक्ति के हिस्से में करीब 28 वृक्ष

46 प्रतिशत
वृक्षों का हो चुका है विनाश, दुनिया में प्रतिवर्ष करीब 15.3 अरब वृक्ष हो रहे नष्ट

11.48
फीसदी सघन वन थे 1999 में, जो 2015 में घटकर मात्र 2.61 फीसदी ही रह गए

('नेचर' जर्नल की रिपोर्ट)

कहते हैं न, शहर में करोड़ों का घर क्यों न खरीद लिया हो, बच्चों को आंगन दिखाने गांव ही आना होगा। आंगन भलेही अब गांव में भी धीरे-धीरे सिमट रहे हों, नए आर्किटेक्टों की नोटबुक से गायब हो गए हों, मगर इसकी उपयोगिता को खत्म नहीं कर पाएंगे। आंगन घरों में जो अपनापन-खुलापन और खुशियां देता, वह आज के इतने सोशल मीडिया प्लेटफार्म भी मिल कर नहीं दे सकते। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धार्मिक-सामाजिक सरोकार, नई-पुरानी तकनीकों के डेमो का स्थान भी यही आंगन होता। आंगन में लगा कोई पुराना पेड़ छांव तो देता ही साफ हवा भी देता, यहां प्रदूषण का नामोनिशान नहीं। आधुनिक रहन-सहन ने पग-पग पर प्रदूषण को बिखेर दिया है। दृश्य-अदृश्य प्रदूषण ने हर तरफ अपना पंजा फैला रखा है। घर के भीतर से लेकर गली-मुहल्ला होते हुए हाइवे तक सब जगह प्रदूषण का शिकंजा है, और मानव जीवन अब कंक्रीट की कालोनियों में पर्यावरण को तलाश रहा है। घर के बाहर होने वाले परोक्ष प्रदूषण और हमारे सरोकारों से गायब हो चुके आंगन, इन्हीं दो विषयों पर चर्चा कर रहे हैं इस अंक में:-

राहुल मिश्र, पत्रकार

आधुनिकरण और औद्योगिकीकरण के चलते हर ओर प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है। बढ़ती जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पृथ्वी के शोषण की सीमा आज चरम पर पहुंच रही है। जलवायु परिवर्तन के खतरे को कम-से-कम करना दूसरी सबसे बड़ी चुनौती है। पर्यावरण संरक्षण आम तौर पर पेड़ों और हरियाली के संरक्षण को दर्शाता है लेकिन व्यापक अर्थों में इसका तात्पर्य पेड़ों, पौधों, पशुओं, पक्षियों और पूरे ग्रह की सुरक्षा से है। वास्तव में पर्यावरण और जीवन के बीच एक अनूठा संबंध है। पर्यावरण संरक्षण मानव जाति के भविष्य और अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है। प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए पर्यावरण संरक्षण पर जोर देने की अवश्यकता है। यह धरती हमें क्या नहीं देती? उसके मद्देनजर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने की जरूरत अब कई गुना बढ़ गई है। कितना अच्छा हो, अगर हम सब प्रकृति के संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लेते हुए अपने-अपने स्तर पर ईमानदारी से अमल भी करें। दरअसल, आज प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के जो भयावह खतरे हमारे सामने आ रहे हैं, उनसे शायद ही कोई अनभिज्ञ हो और हमें यह स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि इस तरह की समस्याओं के लिए कहीं-न-कहीं जिम्मेदार हम स्वयं भी हैं।

आज आवश्यक हो गया है कि व्यक्ति ही नहीं समुदायों, राष्ट्रों और सम्पूर्ण विश्व, पर्यावरण के प्रति अपनी नीतियों और उनके क्रियान्वयन में एक सह संवेदनशीलता लाएं। विश्व के विभिन्न भागों में पर्यावरण के प्रति सजगता धीरे-धीरे बढ़ती हुई दिखाई देने लगी है और लोग पर्यावरण अवनयन के परिणामस्वरूप होने वाली समस्याओं को समझने लगे हैं। आज जरूरत इस बात की है कि सरकारें पर्यावरण के विभिन्न घटकों के महत्त्व को समझकर पर्यावरण कानूनों को सख्ती से लागू कराने में अपनी महती भूमिका अदा करे। अन्यथा इस एक पृथ्वी को गरीब और अमीर की पृथ्वी में बँटने से कोई नहीं रोक सकेगा।

लॉकडाउन से पर्यावरण को मिली संजीवनी

आज भारत में हर तरह का प्रदूषण बढ़ रहा है। हालांकि, पिछले कुछ माह के लॉकडाउन के चलते हर तरफ सभी कुछ बंद होने के कारण पर्यावरण को पुनर्जीवित होने के लिए भरपूर अवसर मिल गया है, जिसके चलते सभी प्रकार के प्रदूषण से लोगों को काफी राहत मिली है। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए देश में हुए लॉकडाउन से पर्यावरण को संजीवनी मिल गयी, लेकिन लॉकडाउन खुलने के पश्चात भविष्य में यह स्थिति किस प्रकार बरकरार रखें यह चुनौती व जिम्मेदारी देश के हर व्यक्ति को समझनी होगी।

पीएम 2.5 में हुआ सुधार

कोविड-19 की वजह से भारत के 130 करोड़ से ज्यादा लोगों ने लॉकडाउन झेला। सरकार ने सभी को घर में रहने को कहा। इस दौरान नाइट्रोजन ऑक्साइड यानी एनओएक्स प्रदूषण का स्तर भी कम होने लगा है। केंद्र सरकार के तहत प्रदूषण संबंधी निगरानी करने वाली संस्था 'सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च' के मुताबिक, पार्टिक्युलेट मैटर यानी पीएम 2.5 में काफी गिरावट आई। पीएम 2.5 हवा में मौजूद धूल के सबसे छोटे कण होते हैं। इनका आकार (या डायमीटर) 2.5 माइक्रोमीटर से भी कम होता है। ये एक इंसानी बाल की मोटाई का करीब तीन प्रतिशत है।

20 देशों में 94% हैं जंगल

दुनिया के कुल 20 देशों में ही 94 फीसदी जंगल हैं, जिनमें रूस, कनाडा, आस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्राजील, फ्रांस, किरीबाती, चीन, न्यूजीलैंड, अल्जीरिया, लीबिया, डेनमार्क, नाइजर, मॉरीशानिया, माली, नार्वे, भारत, ब्रिटेन, ग्रीनलैंड, मिस्र शामिल हैं। क्वींसलैंड विश्वविद्यालय द्वारा वन दायरे का जो मानचित्र जारी किया गया, उसके अनुसार विश्व के पांच देश ऐसे हैं, जिनमें दुनिया के 70 फीसदी जंगल सिमटकर रह गए हैं।

33 लाख वर्ग किमी. जंगल खत्म हो चुके: भारत का कुल क्षेत्रफल करीब 32 लाख वर्ग किलोमीटर है और जंगलों के कम होते जाने के मामले में चिंताजनक स्थिति यह है कि 1993 से 2009 के बीच ही विश्वभर में भारत के क्षेत्रफल के बराबर 33 लाख वर्ग किलोमीटर जंगल खत्म हो चुके हैं।

वन क्षेत्र में भारत 10वें स्थान पर: वन क्षेत्र के मामले में भारत दुनिया में 10वें स्थान पर है और 'फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया' की एक रिपोर्ट के मुताबिक यहां वन क्षेत्र कुल 802088 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैला हुआ है, जो भारत के कुल क्षेत्रफल का करीब 24.39 फीसदी है।

खुद में कमियां करनी होंगी दूर: प्रकृति के साथ खिलवाड़ का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी आपदाओं का सिलसिला बढ़ा है। कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा आने पर हम प्रकृति को कोसते हैं, लेकिन कहीं न कहीं हम इसके लिए जिम्मेदार हैं। हम इतने साधनपरस्त और आलसी हो चुके हैं कि पैदल चलना हमें गवारा नहीं। जरा सी दूरी के लिए भी हम ईंधन से चलने वाले वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। बल्कि हमें पैदल या साइकिल का उपयोग करना चाहिए। दरअसल, पेट्रोल-डीजल से पैदा होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंचा दिया है।

तीन बिन्दुओं पर ध्यान देने की जरूरत

1 जलवायु परिवर्तन को बारीकी से समझना होगा और यह समझ केवल वैज्ञानिकों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, आम जन मानस तक इस ज्ञान को पहुंचाने की जरूरत है।

2 खाद्य सुरक्षा हमें अन्न पृथ्वी से ही मिलता है। बढ़ती जनसंख्या को हम तभी खाद्यान्न दे सकते है, जब पृथ्वी बची रहेगी। हमें इस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

3 हमें पानी पृथ्वी से मिलता है पानी के प्रदषण को कम करने के साथ ही पानी की मात्रा और गुणवत्ता पर भी नजर रखने की जिम्मेदारी लेनी होगी। यह बेहद जरूरी हो गया है।

गहराता जा रहा वायु प्रदूषण

वायु प्रदूषण वैश्विक स्तर पर गंभीर समस्या बन चुका है। वायु प्रदूषण के कारण विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं हो रही हैं और साफ हवा में खुल कर सांस लेना महज़ एक ख्वाब बनकर रह गया है। हालांकि, कुछ उपायों को ध्यान में रखकर आप वायु प्रदूषण रोक सकते हैं।

ऐसे करें बचाव

- निजी वाहनों की जगह सार्वजनिक वाहनों का इस्तेमाल करें। आप साइकिल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं क्योंकि इससे पर्यावरण को नुकस भी नहीं होता और आपका स्वास्थ्य भी ठीक रहे
- बिजली उत्पन्न करने के लिए जीवाश्म ईंधन के उपयोग से निकलने वाला धुआं हमारे वातावरण लिए बेहद खतरनाक होता है। इससे बचाव के लि सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करें।
- घरों में सोलर पैनल लगवाने के साथ-साथ आप सौर ऊर्जा पर चलने वाले वाहनों का भी इस्तेमा कर सकते हैं। इससे दूषित गैस उत्सर्जन की भ समस्या नहीं होगी।
- बगीचे की सूखी पत्तियों को जलाने की जगह उन खाद बनाकर बगीचे में ही इस्तेमाल करें। इससे पत्तियां जलाने से धुआं भी नहीं होगा।
- दिल्ली सरकार की तर्ज पर ऑड-ईवन वाली स्कीम हर साल अपनाते हुए वायु प्रदूषण को का हद तक कम किया जा सकता है।

जल ही जीवन है

जल भी पर्यावरण का अभिन्न अंग है। मानव स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ जल का होना नितांत आवश्यक है। जल हमें नदी, तालाब, कुएं, झील आदि से प्राप्त हो रहा है। जनसंख्या वृद्धि, औद्योगीकरण आदि ने हमारे जल स्रोतों को प्रदूषित किया है जिसका ज्वलंत प्रमाण है कि हमारी पवित्र पावन गंगा नदी जिसका जल कई वर्षों तक रखने पर भी स्वच्छ व निर्मल रहता था लेकिन आज यही पावन नदी गंगा क्या कई नदियां व जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। ऐसे में प्राकृतिक संसाधन को प्रदूषित होने से रोकना आवश्यक है वर्ना जल प्रदूषण एक बड़ा खतरा बन जाएगा।

ऐसे जल रखें शुद्ध

- कारखानों व औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले अवशिष्ट पदार्थों के निष्पादन की समुचित व्यवस्था के साथ-साथ इन अवशिष्ट पदार्थों को निष्पादन से पूर्व दोषरहित किया जाना चाहिए।
- नदी या अन्य किसी जल स्रोत में अवशिष्ट बहाना या डालना गैरकानूनी घोषित कर प्रभावी कानून कदम उठाने चाहिए।
- कार्बनिक पदार्थों के निष्पादन से पूर्व उनका आक्सीकरण कर दिया जाए।
- पानी में जीवाणुओं को नष्ट करने के लिए रासायनिक पदार्थ, जैसे ब्लीचिंग पाउडर आदि का प्रयोग करना चाहिए।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समुद्रों में किये जा रहे परमाणु परीक्षणों पर रोक लगानी चाहिए।
- समाज व जन साधारण में जल प्रदूषण के खतरे के प्रति चेतना उत्पन्न करनी चाहिए।

आपको अपने बालों को रोकने के अपनी डाइट में भी बदलाव करना च हेल्दी डाइट से अ शरीर को तो लाभ है बल्कि आपके ब अच्छे हो सकते

एक था आंगन

आज आंगन बहुत दूर छूट गया, अब कंक्रीट के जंगल उग आए और सुविधाएं रेडीमेड

शहर और गांव सब जगह ज़मीन और ज़मीर की कमी

वीरेंद्र सिंह
समीक्षक एवं स्तम्भकार

'**निंदक** नियरे राखिए आंगन कुटी छवाय, यानि पहले इतने बड़े आंगन होते थे कि आंगन में झोपड़ी भी खड़ी हो जाय। अब किताबों में ही दिखते हैं आंगन। आंगन में समाया होता था एक संसार। परिवार का प्यार, दुलार और मनुहार, घर के संस्कार, पारिवारिक संस्कृति का सृजन। यहीं सभी त्योहार, उत्सव मनाए जाते थीं। शादी का मंडप सजाया जाता था। आंगन के चारों ओर बने बरामदे में महिलाएं मंगल गीत गाती थी। यहीं होती थी सत्यनारायण कथा, शंख ध्वनि से गूंजता था पूरा घर-आंगन। मां इसी आंगन में बच्चों को लोरी सुनाकर, थपकी देकर सुलाती थी। आंगन में लगे पेड़ पर सावन के झूले पड़ते थे।

कजरी की फुहार मन को भिगो देती थी। ननद-भाभी की ठिठोली होती थी। देवर-भौजाई का परिहास होता था। बच्चों की किलकारी, मासूम अठखेली गूंजती थी। आंगन सूनेपन में बातें करता था।

वही आंगन, वही खिड़की,
वही दर याद आता है,
मैं जब भी तन्हा होता हूँ,
मुझे घर याद आता है।

दुखों का हिसाब रखता था आंगन। सुखों को बिखेरकर रखता था। उस आंगन के होते हुए हम कभी भी सीमित नहीं हुए। हम हमेशा असीमित हुआ करते थे। विराट हुआ करते थे। चाय भी पीते थे, तो उसके पहले पड़ोसियों को आवाज़ देकर आंगन में रखी चारपाई, पीढ़े पर बिठा लेते थे। आंगन की कुर्सियों पर एक परिवार मुस्कुराया करता था। एक समाज चहचहाया करता था। आंगन रोटी बांटकर खाना सिखाता था। उसी आंगन में रखे गर्म तसलों में लिट्टी महकती थी। कोयले और कंडों की धीमी आंच में आलू भुनता था। वो उत्सव का पल होता था। उस उत्सव की महक पास-पड़ोस से होते हुए दूर-दूर तक फैल जाती थी। उस आंगन में संगीत की मधुर धुन गूंजती थी। पैर रखते ही वो आंगन अलग-अलग आवाजों में बातें करता था। कभी सोहर की आवाज, कभी कजरी की बहार। कभी ढोलक की गूंज। कभी पायल की छमछम तो कभी ठहाकों का अंतहीन हास। एक संस्कृति का साया होता था आंगन के शजर (पेड़) में। इसकी छांव पड़ोसी के घर तक पसरी होती थी।

इक शजर ऐसा मोहब्बत का लगाया जाए।
जिस का हम-साये के आँगन में भी साया जाए।।

शहरी संस्कृति ने लील लिया आंगन के संस्कारों को। आंगन का मतलब घर के बीच में एक घर होता था। जब भी उस घर से लोग उकताते तो इस घर में बैठ जाते। उस पर फर्श नहीं होती थी। ईंटों के बीच से कहीं-कहीं घास झांकती थी तो कहीं कहीं मिट्टी मुंह छिपाकर बैठी होती थी। बारिशों में ईंटें नम हो जाया करतीं थीं। उन पर नंगे पैर चलने का अलग ही सुख था। बारिश के मौसम में ईंटें हथेलियां बन जाती थीं। हमारे पांवों को संभालती हुईं।

अपनी सख्त खाल पर पानी की नरम शाल चढ़ाकर हौले से पांवों की मालिश करती हुईं। आंगन में कभी कुर्सियां पड़ती थीं तो कभी पीढ़े। यह घर की इकलौती ऐसी जगह थी जो सभी को एक-दूसरे से बांधकर रखती थी। रात को तारों से बातें करने का हुनर यही आंगन में सिखाता था। हाथों में किताबें लेकर, कुर्सियों पर सिर टिकाकर देर तक आसमान की ओर देखना सिखाता था। कुछ देर में सितारे नीचे उतरने लगते थे। रात गहराते-गहराते पूरा आंगन सितारों से जगमग होने लगता था। वो चित्रहार का दौर था। उस दौर में धर्मेंद्र और राखी को कई-कई बार गाते गुनगुनाते देखा जा सकता था- झिलमिल सितारों का आंगन होगा, रिमझिम बरसता सावन होगा। वो सहज भरोसा करने के दिन थे। फिर भी उस समय ये समझ नहीं आता था कि आखिर कोई आंगन सितारों से झिलमिल कैसे हो सकता है? मगर देर रात तक आंगन में बैठे रहने की आदत ने इस सवाल का भी जवाब दे दिया। अज्ञेय ने आंगन के पार द्वार में लिखा-

आंगन के पार द्वार खुले द्वार के पार आंगन
भवन के ओर छोर सब मिले
उसी में खो गया भवन

वो आंगन की मिट्टी से मोहब्बत के दिन थे। वो आंगन से निकलती सीढ़ियों पर जमी काई की फिसलन में जीवन तलाशने के दिन थे। वो आंगन की क्यारियों में उगे लाल गुलाब की हरी पत्तियों से रंग चुरा लेने के दिन थे। वे आंगन के बीचों बीचे लगे तुलसी के पौधे पर टपकती ओस से पलकें सटाकर सुबह को महसूस करने के दिन थे। वे एक भरे पूरे दिन को आंगन में बिछा लेने और उस पर रात की कालीन सजा देने के दिन थे। तब शादियां मैरिज हॉल में नहीं हुआ करतीं थीं। उनकी सबसे पवित्र जगह घर का आंगन हुआ करता था। उस छोटे से आंगन का कलेजा कितना बड़ा होता था।

घरबार, रिश्तेदार, पड़ोसी, परिचित-अपरिचित सबको समेट लेता था। उसी आंगन में एक नल हुआ करता था। आज तक दुनिया में कोई ऐसी फ्रिज या वाटरकूलर नहीं बना, जो उस नल से अधिक ठंडा, ताज़ा और स्वादिष्ट पानी दे सकता हो। दुनिया की सारी टेक्नोलॉजी, सारे एक्सपेरिमेंट्स सब फेल हैं उसके आगे। आज आंगन बहुत दूर छूट गया। अब कंक्रीट के जंगल उग आए हैं, यहां सारी सुविधाएं रेडीमेड हैं। शहर और गांव सब जगह ज़मीन और ज़मीर की कमी। शहर में आंगन की कमी भी महसूस नहीं होती है। बालकनी से धूप दिखता है। मगर फिर भा न जान क्यू बहुत स सूना सा लगता है। न दीवारें कुछ बोलती है कमरे ही गुफ्तगू करते हैं। बालकनियां भी खा ओढ़े पड़ी रहती हैं। घर का आंगन बातें करता था! वो आंगन संग-संग रातें जिया था। वो आंगन कितनी सौगातें दिया करता था आंगन सांसें लिया करता था-

बड़ा था तो क्या, था तो आंगन ही
दीवारें थीं, छत नहीं गनीमत
वरना इतना सा आकाश भी, मेरे हिस्से होता।

सांसों में समाया आंगन कहीं खो गया। उ साथ दरके रिश्तों की बुनियाद, बिखर गए सं की तरलता, समा गए अतीत में जीवन सरलता। बेशक, हमने बहुत तरक्की की है। के तमाम साधन जुटा लिए हैं। कंक्रीट के ज उगा लिए गांव और शहर में। पर सच है कि उपभोक्ता संस्कृति के मोहपाश में फंस गए हैं

सुना है कि उसने खरीद लिया है करोड़ घर शहर में।

मगर आँगन दिखाने वो आज भी बच्चे गाँव लाता है।।

उत्सवों का उल्लास अब कहां, उमंगों उर्मियां अब कहां, अपनत्व का अहसास कहां। अब है तो भौतिकता की अंधी दौड़। ह दौड़े जा रहे हैं। अब तो-

जिनके आंगन में अमीरी का शजर ल है। उनका हर ऐब ज़माने को हुनर लगता है

गणित से डर

पिछले दिनों ऐसी लड़की मिली, जिसके जन्म पर मैं उसे देखने अस्पताल गई थी। वह साथ में काम करने वाली महिला की बेटी थी। बाद में भी उससे मुलाकात होती रही। वह कई बार मां के साथ दफ्तर आती और पूरे फ्लोर पर धमा-चौकड़ी मचाती। जो मिलता वह उसे टॉफी, चॉकलेट, तमाम किस्म के पेय दिलवाता। फिर उसकी मां किसी और नौकरी पर चली गईं। मुलाकातें कम हो गईं। उस दिन बाजार में जा रही थी तो उसी ने मुझे पहचाना। साथ में उतना ही बड़ा बच्चा था, जितनी बड़ी वह दफ्तर में आकर खेलती थी। वह कहने लगी कि मैं आपका फोन नम्बर ढूंढ़ रही थी, अच्छा है, आप मिल गईं। मैंने उसे नम्बर दिया। फिर वह बोली आपसे कब आकर मिल सकती हूं। -कभी भी बस फोन कर लेना क्योंकि कई बार कहीं चले जाते हैं तो नहीं चाहती कि आपको ताला मिले। फिर एक शाम वह घर आई। उसने कहा- आंटी, मेरी आपसे बात करने की बड़ी इच्छा थी। मैं अपने बच्चे के बारे मैं बात करना चाहती हूं।

बच्चे के बारे में बताओ-

- मेरा बेटा बिल्कुल भी नहीं पढ़ता। गणित से बहुत डरता है।
- अरे, गणित से तो बहुत से लोग डरते हैं।
- लेकिन बताइए अगर अभी से गणित नहीं सीखेगा, तो क्या करेगा। आजकल किसी भी प्रोफेशन में बिना गणित के तो काम चलता नहीं।
- मगर अभी तो बहुत छोटा है। धीरे-धीरे सब सीख जाएगा।
- उसी की क्लास के बच्चे सौ में से सौ लाते हैं और यह पचपन-साठ पर अटका है।
- अभी इतने नम्बर लाता है तो धीरे-धीरे इंटरेस्ट बढ़ भी जाएगा।
- लेकिन कब बढ़ेगा। मैं उसे बहुत समझाने की कोशिश करती हूं, मगर वह सुनता ही नहीं। आप उसके अध्यापकों से मिलिए, हो सकता है, वे कुछ मदद कर सकें।
- वे क्या मदद करेंगे। पीटीएम में जाते हैं तो इतने माता-पिता वहां होते हैं कि ज्यादा बात नहीं हो पाती।
- लेकिन यह भी तो है कि वह गणित में नहीं किसी और विषय में अच्छा हो। उसकी रुचि के बारे में सोचना चाहिए।
- लेकिन गणित ही तो मोस्ट इम्पोर्टेंट है। ज्यादा नम्बर दिलाता है। इस तरह अगर बारहवीं में इसके नम्बर आए तो सोचें कि परसेंटेज कितना कम रह जाएगा। कहीं दाखिला भी नहीं होगा। आजकल तो अट्ठानवे प्रतिशत वालों तक को किसी अच्छे कॉलेज में दाखिला नहीं मिलता।

इस बात का जवाब मेरे पास भी नहीं था। परसेंटेज की उसकी बात सच भी थी। जब परिणाम आते हैं, तो बहुत-से बच्चों के हर विषय में सौ में से सौ आते हैं। उनकी मेहनत से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन यह भी कोई जरूरी नहीं कि जिसके सौ में से सौ नहीं आए, वह बच्चा कमतर है। लेकिन शिक्षा की प्रणाली ऐसी ही है। जो सिर्फप्रतिशत को देखती है, बच्चे की बाकी प्रतिभा को नहीं।

अरसे से इस विषय पर विचार-विमर्श भी होता रहता है। बहसें चलती हैं। लेकिन नतीजा, वही ढ़ाक के तीन पात रहता है। सात-आठ साल के बच्चे के बारे में जब मां ऐसा सोच रही है, तो दूसरे माता-पिता भी ऐसा ही सोचते होंगे। उनकी चिंताएं भी जायज हैं। अगर उनका बच्चा बाकी बच्चों से दौड़ में पीछे रह गया तो उसके भविष्य का क्या होगा। बहुत-से लोग इस बारे में भी बातें करते हैं कि पहले किसी बच्चे को करियर की चिंता बारहवीं के बाद होती थी, आज वे चिंताएं सातवीं आठवीं से ही होने लगती हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि इस छोटी उम्र में बच्चे ने निर्णय किया कि वह आगे क्या करना चाहता है और नहीं कर पाया तो यह दु:ख उसे जिंदगी भर सालता है। आखिर क्या करें। कैसे निपटें। ■

पंचिग बैग बनी डार्लिंग्स

सर्वेक्षण के अनुसार

४४□ पुरुष पत्नी को पीटने को सही ठहराते हैं।

४५□ औरतें भी इसको गलत नहीं मानतीं।

22 हजार तीन सौ 72 औरतों ने मौत को गले लगाया साल भर में, जो दुनिया भर में सबसे ज्यादा है।

३२□ ब्याहताएं ही अपने यहां कमाऊ हैं।

६८□ औरतें पूरी तरह आश्रित हैं।

आलिया भट्ट की फिल्म डार्लिंग्स कहने को कॉमेडी है। असल में यह कड़ा संदेश देने वाली फिल्म है। पहली बार निर्माण में शामिल हुई आलिया ने बेहद संवेदनशील यानी घरेलू हिंसा को अपना विषय बनाया। डोमेस्टिक वॉयलेंस को लेकर कई फुल व शार्ट फिल्में हैं, मगर इस तेवर की तो कोई बनी ही नहीं। हालांकि फिल्म में ह्यूमर घुसाकर उसे हल्का-फुल्का करने की कोशिश की गयी है। जिसकी कुछ लोगों ने आलोचना भी की। रिलीज के रोज आलिया की काफी ट्रोलिंग हुई। मेरी राय में तो फिल्म हर दंपत्ति को देखनी चाहिए। विषय के इतर आलिया की परिपक्व व बेजोड़ अदाकारी और जस्मीन के रीन के बेहतरीन डायरेक्शन के लिए देखा जाना चाहिए। हंसी-मजाक के लिए पति को मारने का प्लान अगर दरकिनार कर दूं तो यह किसी भी मसाला फिल्म से बेहतर है। बायकॉट डार्लिंग्स के ट्विट्र पर ट्रेंड होने के बाद कहीं आलिया ने तंज किया- आजकल आपको छींकने, सांस लेने या कार से बाहर निकलने पर भी ट्रोल किया जाता है। जस्मीन के साथ परवेज शेख ने यह ब्लैक ह्यूमर लिखा है। हालांकि पुरुषों को पीड़ित बनाने की बातें भी की गयीं। जबकि फिल्म में तो नायिका और उसकी मां दोनों पीड़ित हैं। गर्भपात के बाद नायिका की बर्दाश्त खत्म होती है और वह पति से बदला लेने पर उतारू हो जाती है। बात कहने-सुनने में में भले ही छोटी है, मगर बात-बे-बात पर बीवी को पीटना दस्तूर सा है। सारी दुनिया में औरतें पतियों के हाथों आज भी कबीलाई ढंग से पिटती हैं। तरह-तरह के कानून बन चुके हैं और अदालतें घुड़कियां दे चुकी हैं मगर इससे पतियों को कोई फर्क नहीं पड़ता।

अपने यहां तो सबसे बड़ी अदालत सरकार से घरेलू हिंसा के खिलाफ सख्त कानून बनाने की हिदायतें भी कई दफा दे चुकी है। मगर सरकारी अमले का कहना है इससे विवाह संस्था खतरे में पड़ सकती है। यहां बात खतरनाक टाइप की हिंसा की भी नहीं है। धक्का-मुक्की, थप्पड़बाजी, लातें चलाना, जूतों-चप्पलों से मारना आम है। हैरत होनी चाहिए कि अभी भी अपने यहां (राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार) ४४□ पुरुष पत्नी को पीटने को सही ठहराते हैं। माथा पीटने वाली बात तो है कि ४५□ औरतें भी इसको गलत नहीं मानतीं। उन्हें लगता है, पति परमेश्वर का यह हक है। हर रोज ढेरों ब्याहताएं पतियों व ससुरालियों की हिन्सा से आजिज आकर मौत को गले लगाती हैं। नैशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार, हर 25 मिनट में एक ब्याहता काल के गाल में समा जाती है। साल भर में, 22हजार तीन सौ 72 औरतों ने मौत को गले लगाया। जो दुनिया भर में सबसे ज्यादा है। लेकिन जब हम घरेलू हिन्सा की बात करते हैं ता मर्दवादियों को बेचैनी होने लगती है। वे स्यापा करने पर उतारू हो जाते हैं और कुछ कठोर हृदय तो उल्टे पुरुषों के पिटने का मातम मनाने लगते हैं। औरत रईस हो या गरीब उसके साथ घर के भीतर होने वाला बर्ताव वीभत्स हो सकता है। बीवियों पर हाथ उठाने वाले नशेबाज ही नहीं हैं। यह जरूरी नहीं कि पुरुष पर नशे के दौरान ही शैतान सवार होगा। दरअसल यह पुरुषवादी सोच है। खुद को बेहतर और स्त्री को कमतर मानने का रूढ़िवादी विचार। जिसे कभी उखाड़ कर ही नहीं फेंका जा सका। यह पीढ़ी-दर-पीढ़ी विषबेल की तरह बढ़ता ही रहता है।

मैं एक अधेड़ औरत को जानती हूं, जो दुकानों व दर्जियों से कपड़े लाकर सारा दिन तुरपाई, काज या बटन/फॉल लगाती है। सांझ को उसका बेवड़ा पति आकर खाना ही नहीं मांगता, उसे नशे के लिए पैसे भी चाहिए होते। मन-माफिक खाना ना होने पर, पानी का बर्तन खाली होने पर या पहली आवाज में सामने ना खड़ी होने पर बुरी तरह पिटाई करता। मजदूरी करने, ठेली लगाने या किसी नजदीकी खोमचे में मदद करके चार पैसे कमाने की सलाह पर वह बीवी को जूतों, कलछी, बिजली के तार से पीटता। होश में तो शायद ही कभी रहता। अपने बूढ़े पिता को खांसने पर मारा, जब वह औरत बचाने गयी तो मांस काटने वाली छुरी लेकर उसके पीछे दौड़ा। लुंगी पैर में उलझने से गिर गया। उस दिन उससे रहा नहीं गया। उसने ससुर की स्लीपर उठायी और चप्पल के जब तक परखच्चे नहीं उड़ गये, वह मारती ही रही। सारा मोहल्ला इकट्ठा था, मगर किसी की हिम्मत नहीं हुई उसे रोकने की। उसके ससुर ने उसे गले से लगा लिया। दूसरी औरत जिससे मैं मिली, जवान हो रहे बेटे की मां है। पति रोज गोलानुमा कोई नशा करके लुढ़कता-पुढ़कता लौटता है। कई दफा रातों को नालियों में पड़ा मिलता है। बीते पन्द्रह-सोलह सालों से वह नशे के दौरान किसी ना किसी बात पर मारकूट करता आ रहा है। पहले-पहले वह इसे छिपाती थी। अब वह पलट कर वार करती है। एकदिन जब इस धक्का-मुक्की में नशेड़ी लड़खड़ाया और उसका सिर दीवार से लग गया। दीवार खून से सन गयी। पहले वह घबरायी, फिर उसने नशा काफूर होने के बाद पति को उसके खून से सने कपड़े और दीवार दिखायी। जाहिर है, उसने तोहमतें डालीं और याद दिलाया कि शौहर पर हाथ उठाना पाप है। तैश में पति ने अपनी बहन को फोन कर स्यापा भी किया। खैर हो, बहन भाई की करतूतों से अनिभिज्ञ नहीं है। उसने हिदायद दी। कहा- अगर शुरू में ही भाभी ने तेरे को जूतियों से पीटा होता तो तू नशे की आदी ही ना होता। पुलिस में जाने की धमकी देने वाला पति अपना सा मुंह लेकर बैठ गया। पतियों के सताये जाने का रोना रोने वालों को डार्लिंग्स जहर ही लगनी है। मैं इस बात से इंकार नहीं करती कि औरतें हाथ नहीं उठाती। मगर बुनियाद में जाएं। हिन्सा का मामले में पहल स्त्री की तरफ से नहीं होती। खांटी पुरुष जानते-बूझते पूर्व की उन तमाम घटनाओं को झुठलाते हैं, जिनके चलते स्त्री ने हाथापाई चालू की। यही वे औरतें हैं, जो अपना घर बचाए रखने के लिए सालों-साल पिटती रहती हैं। वे दुर्दशा होने तक बर्दाश्त करती हैं। परिवार टूटने से बचाने के लिए, जगहंसाई के भय से या निराश्रित हो जाने के डर से वे चुटहिल होती रहती हैं। अपने यहां केवल ३२□ ब्याहताएं ही कमाऊ हैं। जिनमें से आधियों को तो अपनी कमाई को हाथ लगाने को भी नहीं मिलता। अमूमन तो छोटी-छोटी मुलाजिमत करती हैं या दिहाड़ी मजदूरिन हैं। जाहिर है ६८□ औरतें पूरी तरह आश्रित हैं। उस पर यदि उनके बच्चे हैं तो उनकी परवरिश को लेकर वे यह हिंसा झेलती रहती हैं। घरेलू हिंसा को किसी भी तरह न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। बाहर से लाते खाकर, तनाव में, निराशा में या क्रोधवश लौटे पति के लिए बीवी पंचिग बैग नहीं बनी रह सकती। जिस पर अपनी कुंठाएं या नैराश्य को सालों-साल उढ़ेलते रहने का अधिकार-पत्र मिल गया हो। ■

ब्यूटी

■ शहनाज हुसैन

लड़कियों के लिए ब्यूटी टिप्स

त्योहारों के अवसरों पर लड़कियों को तैयार होना और सर्वश्रेष्ठ दिखना पसंद है। त्वचा में चमक लाने के लिए कुछ दिन पहले कुछ ब्यूटी टिप्स अपनाना शुरू करना अच्छा विचार है। गर्म और उमस भरे मौसम में त्वचा को टोनिंग और रिफ्रेशिंग की जरूरत होती है। स्क्रब त्वचा को चमकदार बनाने में भी मदद करता है। ग्रीन टी की पत्तियों का पाउडर बना लें, उसमें दही और थोड़ा सा एलोवेरा जेल या शहद मिलाएं। चेहरे और गर्दन पर लगाएं और कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। धीरे से रगड़ें और पानी से धो लें।

सभी प्रकार की त्वचा के लिए फ्रूट मास्कः केला, सेब, पपीता, संतरा जैसे फलों को मिलाकर चेहरे पर लगाया जा सकता है। इसे 20 से 30 मिनट तक लगाकर रखें। फिर पानी से धो लें। यह त्वचा को ठंडक देता है, मृत कोशिकाओं को साफ करता है और टैन को दूर करता है।

कूलिंग मास्कः खीरे के रस में दो चम्मच दूध का पाउडर और एक अंडे का सफेद भाग मिलाकर पेस्ट बना लें। चेहरे और गर्दन पर लगाएं और आधे घंटे के बाद पानी से धो लें।

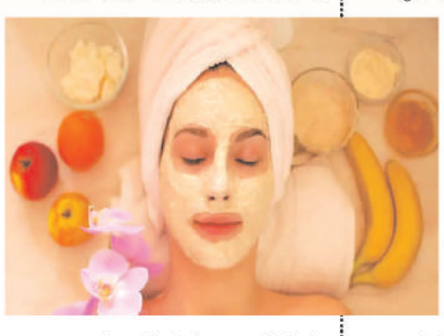

तैलीय त्वचा के लिए मास्कः एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बना लें और चेहरे पर लगाएं। सूखने पर धो लें।

- फेस मास्क लगाने के बाद रुई के दो पैड गुलाब जल में भिगोकर लें, उन्हें आई पैड की तरह इस्तेमाल करें। गुलाब जल को निचोड़ लें फिर बंद पलकों पर लगाएं। लेट जाएं और आराम करें। यूज्ड टी बैग्स भी काम आ सकते हैं। उन्हें थोड़े से गर्म पानी में भिगो दें, पानी को निचोड़ लें और आंखों के पैड की तरह आंखों पर लगाएं।
- दिन के दौरान मेकअप को "टच अप" करने की आवश्यकता हो सकती है। हैंड बैग में कुछ सामान रखना चाहिए ताकि अपने मेकअप को तरोताजा कर सकें। सबसे महत्वपूर्ण में से पाउडर कॉम्पैक्ट है, जिसमें पाउडर होता है। यह नीव को छूने, या तैलीयता को दूर करने के लिए बहुत उपयोगी है। तेल और पसीने को हटाने के लिए चेहरे को टिश्यू से थपथपाएं। फिर पाउडर को पूरे या केवल तैलीय क्षेत्रों पर लगाएं। लंच के बाद लिपस्टिक को टच अप करने के लिए सबसे पहले टिश्यू से पोंछ लें। होठों पर पाउडर लगाएं और फिर लिपस्टिक लगाएं। हैंड बैग के लिए छोटा दर्पण, कंघी और ब्रश बिल्कुल जरूरी है। खुद को तरोताजा करने के लिए कोलोन की छोटी बोतल भी ले जा सकते हैं। ■

क्रिस्पी आलू टिक्की

सामग्री- दो बड़े आकार का आलू, दो बड़े चम्मच कार्न फ्लोर, तीन चम्मच चिली फ्लेक्स, नमक स्वादानुसार , धनिया पत्ता एक चम्मच बारीक कटा हुआ, दही आधा कप।

विधि- सबसे पहले आलू को छीलकर धो लें और फिर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। मीडियम आंच परू कढ़ाही में आलू को उबलने दें। आलू को उबलते ही गैस बंद कर दें। सभी बॉयल आलू को प्लेट में निकाल कर रखें। सभी आलू को ठंडा होने लिए छोड़ दें। आलू ठंडा होने के बाद ही इसमें कार्न फ्लोर, चिली फ्लेक्स, और नमक मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। मीडियम आंच पर पैन में तेल गरम करने क लिए रखें। तेल गरम होते ही आलू के मिश्रण से छोटे-छोटे बॉल्स बनाकर टिक्की के आकार दें फिर पैन में डालकर सुनहरा होने तक तल लें। इस तरह सभी आलू टिकिया तल लें। तैयार हो गया क्रिस्पी आलू टिकिया।

टिकिया को ऊपर से दही काला नमक, धनिया पत्ता से डेकोरेट करें। चटनी या सॉस के साथ परोसें।

मूंग दाल का हलवा

सामग्री- 500 ग्राम भूनी हुई मूंग दाल, 200 ग्राम घी, 200 ग्राम चीनी, एक कप मिल्क मेड, 2 कप दूध, एक छोटा चम्मच इलायची पाउडर, 2 चम्मच बारीक कटे बादाम-पिस्ता, एक चम्मच किशमिश।

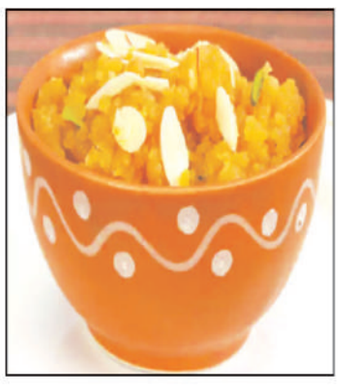

विधि- सबसे पहले मूंग दाल को कड़ाही में सुनहरा होने तक भूने। भूने हुए मूंग दाल को मिक्सी में दरदरा पीस लें। कढ़ाही में घी डालकर गरम करें। घी गरम हो जाने के बाद पीसा मूंगदाल डालें। रंग बदलने तक कड़छी चलाते रहें। इसके बाद दूध डालें। धीमी आंच पर चलाते हुए पकाएं। जब दूध सूख जाए तो इसमें मिल्क मेड ,चीनी और इलायची पाउडर मिलाएं। थोड़ी देर तक पकाएं। जब मिल्कमेड भी सूख जाए तो आंच बंद कर दें। मिश्रण में बादाम किशमिश और पिस्ता मिलाएं। तैयार हो गया मूग दाल के हलवा।

अनानस शीरा

सामग्री : १ छोटा अनानस छिला और कटा हुआ, १ कप सूजी, १ कप घी, एक चुटकी केसर, १ कप चीनी, ५-६ काजू, ५-६ बादाम, एक चम्मच नींबू का रस।

विधि : पैन में घी गर्म करें इसमें सूजी मिलाकर लगातार चलाते हुए गोल्डन ब्राउन होने तक भूने। केसर डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। पाइनएप्पल मिलाकर दो-तीन मिनट और पकाएं। दो कप पानी डाल कर अच्छी तरह मिलाएं और धीमी आंच पर तीन मिनट पकाएं। चीनी और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला कर तब तक चलाएं जब तक पूरी नमी भाप बनकर उड़ ना जाए और सूजी अच्छी तरह पक न जाए। काजू और बादाम से सजाकर गर्मागर्म सर्व करें।

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(१७अगस्त-२३अगस्त)

मेष (21मार्च -20अप्रैल)- समायोजन लगभग हर स्तर पर आवश्यक है, धैर्य रखना होगा और चीजों को प्राकृतिक प्रक्रिया के साथ हस्तक्षेप से बचने की जरु रत है। अनियमितता से स्वस्थ प्रतिकूल हो सकता है। यह समय कसौटीपूर्ण है इसलिए सतत सचेत रहने की आवश्यकता है। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। पदोन्नति का अवसर मिलेगा।

वृषभ (21अप्रैल -21मई)- प्रभाव, करिश्मा और सृजनात्मक प्रवृत्तियां शिखर पर होंगी। व्यापार में लाभ एवं उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। जीत के पथ पर है। प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी, साहित्य संगीत में दिलचस्पी का फायदा होगा। स्वास्थ्य का पूरा ख्याल रखें। पारिवारिक वातावरण सुखद होगा।

मिथुन (22मई -21जून)- वाद विवाद में पड़ने की कोशिश ना करें, यह सही समय नहीं है। नई योजनाएं कल्पना के अनुसार साथ नहीं आ रही हैं ,फिर भी हार मत मानो ,हर चीज में समय लगता है। यदि अनबन हो गई है तो दोस्तों या परिवार के बीच पुलों को सुधारने का समय अच्छा है। आगे कठिन संघर्ष है लेकिन सफलता निश्चित है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ना बरतें।

कर्क (22जून -22जुलाई)- भावनात्मक जीवन में स्थायित्व और स्थिरता पाएंगे। आप ध्यान कर और भावनाओं को लिख। करियर के नए अवसरों के लिए अपनी आंखें खुली रखें और संभावनाओं के लिए दिमाग खुला रहे। समर्थन जल्दी ही पास आएगा। पिछले निवेश से वित्तीय लाभ की अपेक्षा कर सकते हैं। सेहत में सुधार होगा।

सिंह (23जुलाई -21अगस्त)- विचारों में असंतुलन पैदा हो सकता है, यह भ्रम पैदा करेगा। ऐसी स्तिथि से बचने के लिए अपने लक्ष्य पर फिर से गौर करें, इससे सोचने समझने में मदद मिलेगी। यदि खुद को थका हुआ और दुखी महसूस करें तो बहार निकलें , दोस्तों से मिलें , बहुत राहत मिलेगी। बड़े निर्णय लेने से बचें। परिवार पर ध्यान दें। सेहत का ख्याल रखें। आलस्य से बचे। नेचर में समय व्यतीत करें।

कन्या (22अगस्त -23सितम्बर)- शारीरिक कष्ट और पीड़ा का अनुभव हो सकता है, मानसिक रूप से खुद पर बहुत दबाव डाला है , ब्रेक लेने और दिमाग को आराम देने का समय है। आसपास के लोगों के नकारात्मक प्रभाव से लड़ना चाहिए और खुद पर विश्वास रखना चाहिए। भावनात्मक रूप से न उलझें और व्यवहारिक निर्णय लें। लक्ष्य पर विश्वास रखें।

तुला (24सितम्बर -23अक्टूबर)- कोई उत्सव नई ऊंचाई हासिल करने के लिए प्रेरित करेगा और रचनात्मक विचार भी देगा। इस समय जटिल और मुश्किल प्रोजेक्ट में शानदार और नए विचारों से भरे रहेंगे। प्रेम रिश्तों को बेहतर करेगा और घर में भी सामंजस्य लाएगा। जब भी सामने विकल्प होंगे , बेचैन हो सकते हैं। कोई भी निर्णय लेने से पहले प्राथमिकताओं को देखें। सामाजिक जीवन शानदार रहेगा।

वृश्चिक (24अक्टूबर -22नवम्बर)- कार्य में मिलजुल कर किये गए प्रयास बहुत शानदार साबित होंगे। दूसरों के साथ रचनात्मकता से काम करना सीखेंगे। भावनात्मक मामलों में अति भावुकता को लेकर सतर्क रहें। अपने क्षेत्र में हो विशेषज्ञता हासिल करने में ज्यादा लाभ है। बच्चे जीवन में आनंद लाएंगे।

धनु (23नवम्बर -22दिसम्बर)- कार्य में खुद को बंधा हुआ पा सकते हैं। बंधन घर में परम्पराओं के पालन के कारण महसूस हो सकता है। कार्यस्थल पर अन्य लोगों के प्रभुत्व के खिलाफ विद्रोही रु ख भी अपना सकते हैं। साझेदार ईर्ष्या और प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं ,क्योंकि अच्छा प्रदर्शन करेंगे। रिश्तों में मुश्किल आ सकती है,क्योंकि साथी भी आजादी और प्रशंसा की चाह रखेगा।

मकर (23दिसम्बर -20जनवरी)- व्यापर से जुड़े सभी कामकाज और निजी रिश्तों में राय जाहिर करने से पहले बुद्धिमत्ता से काम लें। बुद्धिमानी ,श्रम और समय से आर्थिक और वित्तीय मामलों को सुलझा लेंगे। जहां व्यावसायिक कौशल की प्रशंसा होगी तो नयी संभावनाएं भी सामने आएंगी। घर और नौकरी बदलने का विचार किया जा सकता हे। रिश्ता सकारात्मक ढंग से बनेगा। प्रकृति के साथ एकांत में समय बिताना राहत देगा।

कुम्भ (21जनवरी -19 फरवरी)- संतुलन ,सामंजस्य और समन्वय की तरफ ध्यान देंगे। अनिच्छा से ही मगर अतीत से पीछा छुड़ाएंगे और भविष्य की नयी चीजों की तरफ बढ़ेंगे। लक्ष्य प्राप्ति के लिए जब नयी दिशा में आगे बढ़ेंगे तो नियम प्रतिबन्ध और पुराणी मान्यताओं के लोग राह में बढ़ा बन सकते हैं। ऐसे में आप अपनी राह पर चलते रहें एवं उनसे उलझे नहीं। मित्रों और परिवार के साथ आनंद लेंगे।

मीन (20फरवरी -20 मार्च)- दयालु और उदार बने रहकर प्रियजनों के और करीब जायेंगे। बच्चे अपने लक्ष्य को हासिल करने की तरफ ध्यान लगाते दिखेंगे। व्यवसाय अपनी गति से आगे बढ़ेगा संघर्ष नहीं करना होगा। अतीत को लेकर ज्यादा संवेदनशील है और कुछ स्थितियों में ज्यादा उत्साहित हो सकते हैं। ध्यान करें जिससे भीतर संतुलन हासिल कर सकें। ऊर्जा और धन को बचाएं। बच्चों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

बालाजी का आईपीओ

नई दिल्ली। आईटी हार्डवेयर और मोबाइल एक्सेसरीज कंपनी बालाजी सोल्यूशंस ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास शुरुआती दस्तावेज दाखिल कराए हैं। दस्तावेज के अनुसार, आईपीओ में 120 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। कंपनी के प्रवर्तक और प्रवर्तक समूह 75 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। ओएफएस के तहत राजेंद्र सेकसरिया और राजेंद्र सेकसरिया एचयूएफ शेयरों की बिक्री करेंगे।

अधिग्रहण करेगी अडाणी

नई दिल्ली। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनामिक जोन लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अडाणी लाजिस्टिक्स ने मंगलवार को कहा कि उसने आईसीडी टम्ब (वापी) का अधिग्रहण करने के लिए नवकार कार्प के साथ समझौता किया है। यह बाध्यकारी सौदा 835 करोड़ रुपए में होगा। अडाणी लाजिस्टिक्स लिमिटेड (एएलएल) ने एक बयान में कहा कि इस सौदे में परिचालन आईसीडी का अधिग्रहण शामिल है, जिसकी क्षमता पांच लाख टीईयू (बीस फुट समकक्ष इकाई) को संभालने की है।

गो डिजिट का आईपीओ

नई दिल्ली। कनाडा के फेयरफैक्स समूह द्वारा समर्थित गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास शुरुआती दस्तावेज जमा कराए हैं। दस्तावेज के मसौदे के अनुसार, आईपीओ में 1,250 करोड़ रुपए नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा एक प्रवर्तक और मौजूदा शेयरधारक 10,94,45,561 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे।

एमडी बने अनुज पोद्दार

नई दिल्ली। टिकाऊ उपभोक्ता सामान कंपनी बजाज इलेक्ट्रिकल्स ने अपने कार्यकारी निदेशक अनुज पोद्दार को प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के पद पर नियुक्त करने की मंगलवार को घोषणा की। बजाज इलेक्ट्रिकल्स ने एक बयान में इस नियुक्ति की जानकारी दी। उसने कहा कि कंपनी ने चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक के पद को अलग-अलग कर दिया है। उसके संरक्षक शेखर बजाज कंपनी के कार्यकारी चेयरमैन पद पर बने रहेंगे। कंपनी ने कहा, "चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक के पदों को अलग करने का फैसला कंपनी प्रबंधन को पेशेवर बनाने की कड़ी में उठाया गया कदम है।

पेटीएम का सैमसंग से करार

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम ने आनलाइन भुगतान सुविधा और ऋण सेवा 'पेटीएम पोस्टपेड' के लिए पाइंट आफ सेल (पीओएस) उपकरण लगाने के लिए सैमसंग स्टोर के साथ भागीदारी की है। इस साझेदारी के तहत, देशभर में सैमसंग के किसी भी स्टोर से लैपटाप, स्मार्टफोन, टेलीविजन जैसे उपकरण खरीदने के लिए ग्राहक पेटीएम के अलग-अलग विकल्पों के जरिए भुगतान कर सकते हैं। पेटीएम अपनी पोस्टपेड या अभी खरीदो, बाद में भुगतान करो सेवा के माध्यम से प्रति माह 60,000 रुपए तक की ऋण सीमा प्रदान करेगा। कंपनी की तरफ से जारी बयान के अनुसार, यह साझेदारी ग्राहकों को पेटीएम के भागीदार वित्तीय संस्थानों के माध्यम से दो लाख तक के व्यक्तिगत ऋण का लाभ उठाने का विकल्प भी देगी।

एनटीपीसी का सौर प्रोजेक्ट

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने गुजरात में कवास सौर परियोजना के तहत 21 मेगावाट क्षमता की इकाई चालू कर दी है। इसके साथ कंपनी की 56 मेगावाट क्षमता की कवास सौर परियोजना पूरी तरह से परिचालन में आ गई है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 21 मेगावाट क्षमता की इकाई का वाणिज्यिक परिचालन सोमवार को शुरू हो गया। इसके साथ एनटीपीसी की एकल आधार पर स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता 55,089 मेगावॉट हो गई है। वहीं समूह की स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता अब 69,454 मेगावॉट है।

(एजेंसियां)

अगले साल कर्मचारियों का वेतन 10% बढ़ाएंगी कंपनियां

■ श्रम बाजार की सख्त हालात के बावजूद बढ़ेगा वेतन ■ एशिया प्रशांत में सर्वाधिक वेतन वृद्धि भारत में होगी

मुंबई (भाषा)।

भारत में कंपनियां 2023 में 10 प्रतिशत वेतन बढ़ा सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनियां श्रम बाजार में सख्त स्थितियों से जूझ रही हैं।

वैश्विक सलाहकार, ब्रोकिंग और समाधान सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनी विलिस टावर्स वाटसन की वेतन बजट योजना रिपोर्ट में पाया गया कि भारत में कंपनियां 2022-23 के दौरान 10 प्रतिशत वेतन बढ़ाने के लिए बजटीय व्यवस्था कर रही है। पिछले साल में वास्तविक वेतन वृद्धि 9.5 प्रतिशत थी।

रिपोर्ट के अनुसार भारत में आधे से अधिक (58 प्रतिशत) नियोक्ताओं ने पिछले साल की तुलना में चालू वित्त वर्ष के लिए अधिक वेतन वृद्धि का बजट रखा है। इनमें से एक चौथाई (24.4 प्रतिशत) ने बजट में कोई बदलाव नहीं किया।

रिपोर्ट में कहा गया कि 2021-22 की तुलना में केवल 5.4 प्रतिशत ने बजट कम किया है। रिपोर्ट के मुताबिक एशिया प्रशांत (एपीएसी) क्षेत्र में सबसे अधिक वेतन वृद्धि भारत में होगी।

अगले साल चीन में छह फीसद, हांगकांग और सिंगापुर में चार फीसद वेतन बढ़ेगा। रिपोर्ट अप्रैल और मई 2022 में 168 देशों में किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। भारत में 590 कंपनियों से बात की गई।

मनचाही

- पिछले साल साढ़े नौ फीसद हुई थी वेतन वृद्धि
- चीन में छह, हांगकांग व सिंगापुर में 4% बढ़ेगा वेतन
- 168 देशों में कराए गए सर्वेक्षण में हुआ है यह खुलासा

58 फीसद कंपनियों में बढ़ा वेतनवृद्धि का बजट

24 फीसद कंपनियों ने नहीं बढ़ाया वेतन का बजट

स्पाइसजेट का गोशॉक एविएशन से समझौता

नई दिल्ली (भाषा)।

स्पाइसजेट ने दो बोइंग 737 मैक्स विमान और एक बोइंग 737-800 एनजी विमान से जुड़े मामले में विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी गोशॉक एविएशन और उसकी संबद्ध इकाइयों के साथ मामलों के निपटान के लिए समझौता किया है।

स्पाइसजेट ने मंगलवार को बयान में यह जानकारी दी। गोशॉक एविएशन लि. स्पाइसजेट को मैक्स विमान पट्टे पर देने वाली मुख्य कंपनियों में से एक है। बयान के अनुसार, 'स्पाइसजेट और गोशॉक ने तीन विमानों के लिए विमान पट्टा समझौते के तहत अपने सभी विवादों को निपटाने पर सहमति जताई है।'

जीईएम पोर्टल पर बिके ₹60 करोड़ के तिरंगे

नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक खरीद के लिएग आनलाइन मंच जीईएम पर एक जुलाई से 15 अगस्त के बीच विभिन्न सरकारी विभागों और राज्यों द्वारा 60 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 2.36 करोड़ से अधिक राष्ट्रीय ध्वज खरीदे गए है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इन झंडों की खरीदारी 'हर घर तिरंगा' अभियान के लिए की गई है। वाणिज्य मंत्रालय ने नौ अगस्त, 2016 को सरकारी खरीदारों के लिए एक खुला और पारदर्शी खरीद मंच बनाने के लिए सरकार के ईमार्केटप्लेस (जीईएम) की शुरुआत की थी। इस मंच पर केंद्र और राज्य के मंत्रालयों, विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों, स्वायत्त संस्थानों और स्थानीय निकायों जैसे सभी सरकारी खरीदारों द्वारा खरीद की जा सकती है।

- एक जुलाई से 15 अगस्त के बीच इस पोर्टल पर बिके हैं यह तिरंगे
- हर घर तिरंगा अभियान के तहत लोगों ने की इन झंडों की खरीदारी
- बिक्री के लिए 4159 विक्रेताओं ने कराया था अपना पंजीकरण

जीईएम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीके सिंह ने कहा, 'एक आनलाइन मंच होने के कारण जीईएम के लिए विक्रेताओं को तेजी से जोड़ना और ऐसे उत्पाद की बड़ी आवश्यकताओं को पूरा करना संभव हो पाया, जिसका इतने पैमाने पर खरीद का पहले कोई इतिहास नहीं था।'

उन्होंने कहा, 'हमने यह सुनिश्चित करने के लिए कि खरीद प्रक्रिया सुचारू रहे और समय पर वितरण किया जाए, खरीदारी करने वाली इकाइयों से लगातार बातचीत की।' गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जुलाई को घरों में तिरंगा फहराकर 'हर घर तिरंगा' अभियान को मजबूत करने का आह्वान किया था।

जीईएम मंच पर राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री के लिए 4,159 विक्रेताओं ने पंजीकरण कराया था।

सार्वजनिक प्रणाली प्रयोगशाला से पीडीएस में दक्षता आएगी : गोयल

नई दिल्ली (भाषा)।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि यहां आईआईटी परिसर में शुरू की गई सार्वजनिक प्रणाली प्रयोगशाला सार्वजनिक खाद्य खरीद और वितरण प्रणाली (पीडीएस) में दक्षता लाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रयोगशाला नवाचार का एक आदर्श उदाहरण है जो विकास में योगदान देगी और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में दक्षता लाकर देश को भ्रष्टाचारमुक्त करेगी। गोयल के पास उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) जैसी सरकार पहल के माध्यम से भारत महामारी के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा समस्या से निपटने में दुनिया के लिए एक आदर्श रहा है। गोयल ने यहां परिसर में प्रयोगशाला का उद्घाटन करने के बाद कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो बातों पर प्रकाश डाला कि मुझे आशा है कि आप सभी यहां 'पंच प्रण' (5 संकल्प) पर ध्यान देंगे और उसे आत्मसात करेंगे।

उन्होंने एक विकसित राष्ट्र के निर्माण की बात को सामने रखा। सार्वजनिक प्रणाली प्रयोगशाला शुरू करने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है क्योंकि हम अमृत काल के पहले दिन में प्रवेश कर रहे हैं।' यह प्रयोगशाला परिचालन अनुसंधान और कृत्रिम मेधा (एआई) जैसे क्षेत्रों से ज्ञान का उपयोग करेगी, जो सार्वजनिक प्रणाली पर निर्भर लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

थोक महंगाई नीचे आई

■ थोक मुद्रास्फीति की दर पांच माह के निचले स्तर पर

■ जुलाई में 13.93 फीसद रही थोक महंगाई ■ पिछले माह रिकार्ड ऊंचाई पर थी महंगाई

नई दिल्ली (भाषा)।

खाद्य वस्तुओं और विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में नरमी से थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति जुलाई में घटकर 13.93 प्रतिशत पर आ गई। यह इसका पांच माह का निचला स्तर है।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति इससे पिछले महीने 15.18 प्रतिशत और मई में 15.88 प्रतिशत की रिकार्ड ऊंचाई पर थी। फरवरी में थोक मुद्रास्फीति 13.43 प्रतिशत पर और पिछले साल जुलाई में 11.57 प्रतिशत पर थी। डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति में जुलाई में लगातार दूसरे महीने गिरावट का रुख देखने को मिला है। पिछले साल अप्रैल यानी 16 माह से यह लगातार दो अंक में बनी हुई है। जुलाई में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति घटकर 10.77 प्रतिशत रह गई, जो जून में 14.39 प्रतिशत थी। सब्जियों के दाम जुलाई में घटकर 18.25 फीसद पर आ गए। इससे पिछले महीने सब्जियों की मुद्रास्फीति 56.75 प्रतिशत पर थी।

ईंधन और बिजली में महंगाई दर जुलाई में 43.75 फीसद रही, जो इससे पिछले महीने 40.38 फीसद थी। विनिर्मित उत्पादों और तिलहन की मुद्रास्फीति क्रमशः 8.16 प्रतिशत और -4.06 प्रतिशत थी। सीआरसीएल एलएलपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध भागीदार डीआरई रेड्डी ने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और उत्पादन लागत का भार अब भी उत्पादकों पर है। इसके असर से खुदरा मुद्रास्फीति अधिक हो गई है।

रेड्डी ने कहा, 'वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है, क्योंकि हम धातु, तेल और उर्वरक की मांग में वृद्धि देख रहे है। आने वाले वक्त में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और आपूर्ति पक्ष के मुद्दों को हल करने से अगले कुछ महीनों में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति को कम करने में मदद मिलेगी।'

भारतीय रिजर्व बैंक मुख्य रूप से मौद्रिक नीति के जरिए मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखता है। खुदरा मुद्रास्फीति लगातार सातवें महीने रिजर्व बैंक द्वारा तय लक्ष्य से ऊपर रही। जुलाई में यह 6.71 प्रतिशत पर थी।

महंगाई पर काबू पाने के लिए केंद्रीय बैंक ने इस साल प्रमुख नीतिगत दर रेपो को तीन बार बढ़ाकर 5.40 प्रतिशत कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने 2022-23 में खुदरा मुद्रास्फीति के 6.7 प्रतिशत पर रहने का अनुमान जताया है।

महंगाई में नरमी

- जून में 15.88 फीसद थी थोक मुद्रास्फीति की दर
- बीते साल जुलाई में 11.57 फीसद थी यह दर
- खाद्य वस्तुएं सस्ती होने से घटी है महंगाई की दर
- खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर 10.77% रही
- जून में 14.39 फीसद थी खाद्य मुद्रास्फीति की दर

थोक महंगाई दर में कमी का क्या होगा असर

हालांकि खाद्य वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति घटकर पांच माह के निचले स्तर पर आ गई है लेकिन अभी उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलने की उम्मीद कम है। इसकी वजह यह है कि ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति बढ़ी है साथ ही कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी थोक मुद्रास्फीति पर दबाव है। अगर ईंधन और कच्चा तेल सस्ता नहीं हुआ तो अगले महीने फिर बढ़ सकती है थोक महंगाई।

सेंसेक्स में 379 अंक की बढ़त

■ लगातार तीसरे दिन दर्ज की गई तेजी ■ एनएसई का निफ्टी 127 अंक चढ़ा

मुंबई (भाषा)।

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 379 अंक से अधिक के लाभ में रहा। तेल एवं गैस, बैंक तथा वाहन शेयरों में तेजी से बाजार में मजबूती बनी रही।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 379.43 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 59,842.21 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह एक समय 460.25 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 127.10 अंक यानी 0.72 प्रतिशत बढ़कर 17,825.25 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 42 लाभ में रहे। थोक मुद्रास्फीति के जुलाई में पांच महीने के निचले स्तर 13.93 प्रतिशत पर आने से महंगाई को लेकर चिंता कम हुई है। इसके साथ सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी लि. और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में लिवाली से बाजार को समर्थन मिला।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'मुद्रास्फीतिक दबाव कम होने से घरेलू निवेशकों में आर्थिक पुनरुद्धार को लेकर उम्मीद बरकरार है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) का आंकड़ा उम्मीद से बेहतर रहा है। इससे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नीतिगत दर में बढ़ोतरी की रफ्तार सीमित कर सकता है।' सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी लि. और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

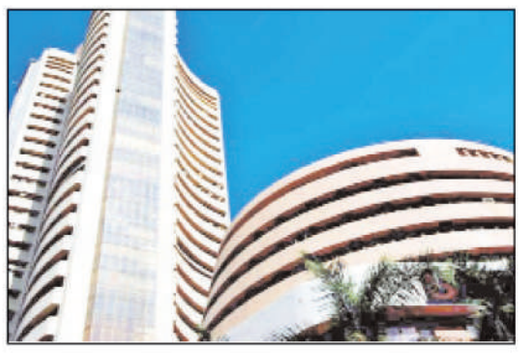

दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एनटीपीसी शामिल है। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शांघाई कंपोजिट लाभ में जबकि जापान का निक्की तथा हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख रहा। अमेरिकी बाजार वाल स्ट्रीट सोमवार को बढ़त में रहा। शेयर बाजार सोमवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बंद थे।

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 94.28 डालर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भारतीय पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने शुक्रवार को 3,040.46 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर खरीदे।

हिंदुस्तान जिंक में विनिवेश के लिए पांच कंपनियों का चयन

नई दिल्ली (भाषा)।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड में सरकार की शेष 29.53 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री का प्रबंधन करने के लिए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एक्सिस कैपिटल और सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट समेत पांच कंपनियों का चयन किया गया है।

एक अधिकारी ने मंगलवार यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साथ ही, एचडीएफसी बैंक और आईआईएफएल सिक्योरिटीज निवेश बैंकर के रूप में सरकार के साथ काम करेंगे और शेयर बिक्री प्रस्तावों का प्रबंधन करेंगे। सरकारी अधिकारियों के सामने करीब छह मर्चेंट बैंकरों ने बिक्री के प्रबंधन की पेशकश की थी। अधिकारी ने बताया कि आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एक्सिस कैपिटल, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स, एचडीएफसी बैंक और आईआईएफएल सिक्योरिटीज जैसे पांच बैंकर का चयन किया गया है।

निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने जुलाई की शुरुआत में हिंदुस्तान जिंक की शेष हिस्सेदारी के प्रबंधन के लिए मर्चेंट बैंकरों से बोलियां आमंत्रित की थी। बोली लगाने की समयसीमा 28 जुलाई निर्धारित की गई थी।

मानसून के चलते अगस्त में ईंधन की मांग में गिरावट जारी

नई दिल्ली (भाषा)।

उद्योग जगत के प्रारंभिक आंकड़ों के मुताबिक भारत में डीजल की मांग में लगातार दूसरे महीने गिरावट हुई।

विशेषज्ञों के मुताबिक मांग में यह गिरावट मानसून के चलते हुई। मानसून के कारण कृषि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में ईंधन खपत काफी कम हो गई है। पेट्रोल और डीजल की मांग जुलाई में मासिक आधार पर घट गई थी। दूसरी ओर अगस्त की पहली छमाही में पेट्रोल की खपत लगभग स्थिर है और डीजल की मांग 11.2 प्रतिशत गिरकर 28.2 लाख टन रह गई। पिछले महीने की समान अवधि में डीजल की खपत 31.7 लाख टन थी। मानसून के आगमन और तेजी पकड़ने से देश में डीजल की मांग पर भारी असर पड़ता है। ऐसे में परंपरागत रूप से खपत अप्रैल-जून की तुलना में जुलाई-सितंबर में कम होती है।

कृषि क्षेत्र में सिंचाई पंपों और ट्रकिंग में डीजल का उपयोग किया जाता है, और ये मांग बारिश की शुरुआत के साथ घट जाती है। हालांकि, डीजल की मांग एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 32.8 प्रतिशत अधिक है। ऐसा कम आधार प्रभाव और आर्थिक गतिविधियों में तेजी के चलते है।

आंकड़ों से पता चलता है कि 2020 में 1-15 अगस्त के दौरान डीजल की खपत 17.8 लाख टन थी और इसके मुकाबले समीक्षाधीन अवधि में यह आंकड़ा 58.2 प्रतिशत अधिक है। यह आंकड़ा अगस्त 2019 की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक है।

अगस्त के पहले पखवाड़े में पेट्रोल की बिक्री 0.8 प्रतिशत बढ़कर 12.9 लाख टन हो गई, जबकि इससे पिछले महीने की समान अवधि में यह आंकड़ा 12.8 लाख टन था।

मांग बढ़ने से मकानों की कीमतों में हुआ इजाफा

- अप्रैल से जून के बीच कीमतों में औसत 5% वृद्धि
- आठ प्रमुख शहरों में घरों की कीमतों में हुआ है इजाफा
- दिल्ली/एनसीआर में कीमतों में सबसे ज्यादा 10% वृद्धि
- कोरोना के बाद घरों की मांग बढ़ने से बढ़ रहे हैं दाम
- कर्ज महंगा होने के कारण अब महंगे पड़ रहे हैं मकान
- भविष्य में और बढ़ सकती हैं होम लोन की ब्याज दरें

नई दिल्ली (भाषा)।

आवास की मांग में तेजी और निर्माण लागत बढ़ने से आठ प्रमुख शहरों में आवासीय संपत्ति की कीमतों में अप्रैल-जून तिमाही के दौरान औसत पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

इस दौरान दिल्ली-एनसीआर में आवास की कीमतों में सबसे अधिक 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रियल एस्टेट क्षेत्र की शीर्ष संस्था क्रेडाई, सलाहकार कोलियर्स इंडिया और डेटा विश्लेषण फर्म लियासेस फोरास की यह रिपोर्ट आठ प्रमुख शहरों दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर), चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद के रुझानों पर आधारित है। रिपोर्ट का शीर्षक 'हाउसिंग प्राइसट्रैकर रिपोर्ट 2022' है। रिपोर्ट में कहा गया कि 2022 की दूसरी तिमाही के दौरान भारत में आवास कीमतें महामारी से पहले के स्तर को पार कर गईं। इससे संकेत मिलता है कि घर की मांग काफी तेज है और आपूर्ति मांग के अनुरूप है। उधर कर्ज महंगा होने के बावजूद मकानों की मांग बढ़ी हुई है। अनुमान है कि भविष्य में कर्ज और महंगा होगा जिससे मकान खरीदना भी महंगा होगा।

कॉनकॉर्ड ने आईपीओ दस्तावेज जमा कराए

नई दिल्ली (भाषा)।

रेयर एंटरप्राइजेज समर्थित कॉनकॉर्ड बायोटेक ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए पूंजी जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दस्तावेजों का मसौदा दाखिल किया है।

दस्तावेजों के मसौदा के अनुसार, आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा। निजी इक्विटी फर्म क्वाड्रिया कैपिटल समर्थित हेलिक्स इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड द्वारा 2,09,25,652 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। आईपीओ के तहत पात्र कर्मचारियों के लिए शेयर आरक्षित रखने का प्रस्ताव है।

फीफा ने भारतीय फुटबॉल पर लगाया प्रतिबंध, अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी छिनी, सीओए चुनाव कराने तैयार

- सीओए फीफा की शर्तों पर एआईएफएफ के चुनाव कराने के लिए तैयार
- फीफा ने एआईएफएफ को तत्काल प्रभाव से कर दिया निलंबित

U-17 WOMEN'S WORLD CUP INDIA 2022

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फुटबॉल की सबसे बड़ी संस्था 'फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल फुटबॉल असोसिएशन' ने मंगलवार को भारत को करारा झटका देते हुए तीसरे पक्ष द्वारा गैर जरूरी दखल का हवाला देकर एआईएफएफ को निलंबित कर दिया। निलंबन के साथ ही भारत से 11 से 30 अक्टूबर के बीच होने वाले अंडर-17 महिला विश्व कप के मेजबानी अधिकार छीन लिए। वहीं दूसरी ओर फीफा के प्रतिबंध लगाए जाने के कुछ घंटे बाद ही प्रशासकों की समिति विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था की शर्तों के अनुसार अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के चुनाव कराने पर सहमत हो गई है। इसके साथ ही फीफा की तरफ से ये भी कहा गया कि एआईएफएफ से प्रतिबंध निष्पक्ष चुनाव के बाद हटा दिया जाएगा। फीफा के मुताबिक, एआईएफएफ से प्रतिबंध अब तभी हटाया जाएगा जब इसके अधिकारी पूरा नियंत्रण हासिल कर लेंगे। साथ ही वो इसमें रोजाना होने वाली गतिविधियों पर नजर रखेंगे। बता दें, एआईएफएफ में फिलहाल सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित कमेटी ऑफ एडमिनिस्ट्रेटर्स (सीओए) का दखल है। सूत्रों ने बताया कि एआईएफएफ के चुनाव के निर्वाचक मंडल में 36 प्रख्यात खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया जाएगा।

दोनों टीमें नहीं खेल पाएंगी इंटरनेशनल टूर्नामेंट

इस प्रतिबंध का सीधा सा मतलब है कि भारतीय पुरुष टीम या महिला टीम में से कोई भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकेगी। फीफा ने बयान जारी करके कहा, फीफा परिषद के ब्यूरो ने सर्वसम्मति से तीसरे पक्ष के अनुचित दखल के कारण अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला किया है, जो फीफा के नियमों का गंभीर उल्लंघन है।

अभी भी वर्ल्ड कप भारत में होने की एक उम्मीद

इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि प्रतिबंध थोड़े समय के लिए ही हो सकता है क्योंकि उच्चतम न्यायालय से नियुक्त प्रशासकों की समिति चुनावों और नए संविधान को लेकर फीफा की लगभग सभी शर्तों को मानने के लिए तैयार है। इसलिए अंडर-17 महिला विश्वकप का आयोजन अभी भारत में हो सकता है।

भारत ने खोया महिला विश्व कप मेजबानी का अधिकार

फीफा ने अपने बयान में स्पष्ट किया है कि भारत अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी का अधिकार भी खो चुका है। बयान में कहा, निलंबन का मतलब है कि अंडर-17 महिला विश्व कप 2022, जो भारत में 11 से 30 अक्टूबर 2022 तक होना तय था, अब आयोजित नहीं किया जा सकता है। फीफा इस संबंध में अगले चरणों का आंकलन कर रहा है।

85 साल में पहली बार बिना प्रेसीडेंट के एआईएफएफ

बता दें कि लंबे समय से अध्यक्ष पद पर काबिज प्रफुल्ल पटेल को सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2022 में हटाए जाने के बाद 85 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि एआईएफएफ प्रेसीडेंट के बिना है। बता दें कि पटेल का प्रेसीडेंट के रूप में तीसरा कार्यकाल दिसंबर 2020 में ही खत्म होना था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में एक मामला पड़े होने के कारण उन्होंने अपना पद नहीं छोड़ा था।

खबर संक्षेप

केविन ब्रायन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

नई दिल्ली। आयरलैंड के ऑलराउंडर केविन ओ ब्रायन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने मंगलवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कह दिया है। केविन ने 110 टी-20 अंतरराष्ट्रीय, 153 वनडे और तीन टेस्ट में आयरलैंड का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच अक्टूबर 2021 में टी-20 प्रारूप में खेला था। बता दें पिछले साल ही केविन ने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। केविन ओ ब्रायन ने अपने ट्विटर पर पोस्ट लिखा, 'मैंने आयरलैंड के लिए खेलने के हर मिनट का आनंद लिया है, मैदान से बाहर कई दोस्त बनाए हैं और मेरे पास राष्ट्रीय टीम के खेलने के समय की बहुत सारी सुखद यादें हैं।'

मर्रे की वावरिका पर संघर्षपूर्ण जीत

मैसन (ओहियो)। एंडी मर्रे ने तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में स्टेन वावरिंका को हराकर वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। मर्रे ने दो घंटे 57 मिनट तक चले इस मुकाबले में 7-6 (3), 5-7, 7-5 से जीत दर्ज की। मर्रे और वावरिंका दोनों यूएस ओपन का खिताब जीत चुके हैं। पुरुष वर्ग के एक अन्य मैच में क्रोएशिया के 14वीं वरीयता प्राप्त मारिन सिलिच ने स्पेन के क्वालीफायर जैम मुनार पर 6-3, 6-3 से जीत दर्ज की। महिलाओं के पहले दौर के मैच में सोमवार को 20 वर्षीय गैर वरीय अमेरिकी अमांडा अनिसिमोवा ने रूस की नौवीं वरीयता प्राप्त डारिया कसातकिना को 6-4, 6-4 से हराया।

बीसीसीआई के पूर्व सचिव अमिताभ चौधरी का निधन

रांची। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व सचिव एवं झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) के पूर्व अध्यक्ष अमिताभ चौधरी का मंगलवार को हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वह 62 वर्ष के थे। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने चौधरी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। चौधरी का जन्म छह जुलाई, 1960 को हुआ था। वह झारखंड कैडर के भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी रहे। झारखंड में क्रिकेट को प्रतिस्थापित करने में चौधरी का योगदान अद्वितीय माना जाता है। उनके प्रयास से ही रांची में झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान का निर्माण करा पाया था।

क्रिकेट : हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होगा सीरीज का आगाज

भारत का जिम्बाब्वे के साथ पहला वनडे कल, शाहबाज को मिला मौका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जिम्बाब्वे दौरे में होने वाली वनडे सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में शाहबाज अहमद को शामिल कर लिया गया है। उन्हें ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर के स्थान पर टीम में मौका मिला है।

बता दें सुंदर हाल ही में इंग्लैंड में रॉयल लंदन कप के मैच में खेलते हुए चोटिल हो गए थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आधिकारिक तौर पर टीम का ऐलान कर दिया। भारत 18 अगस्त 2022 को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना पहला वनडे खेलेगा।

बीसीसीआई का आधिकारिक बयान

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, चयन समिति ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए वाशिंगटन सुंदर के स्थान पर शाहबाज अहमद को नामित किया। वाशिंगटन सुंदर का कंधा इंग्लैंड में काउंटी मैच खेलने के दौरान चोटिल हो गया था। वह जिम्बाब्वे दौरे से बाहर हो गए हैं।

आरसीबी से आईपीएल 2022 में खेले थे शाहबाज

आईपीएल 2022 में शाहबाज ने आरसीबी की ओर से खेलते हुए 16 मैचों में 27.38 की औसत और 120.99 की स्ट्राइक रेट से 219 रन बनाए थे। बता दें आईपीएल 2022 की नीलामी से पहले उन्हें आरसीबी ने 2.40 करोड़ रुपये में खरीदा था।

ऐसी है भारतीय टीम

भारतीय टीमः केएल राहुल (कप्तान), शिखर धवन, रुतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हूडा, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन, संजू सैमसन, शाहबाज अहमद, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, आवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और दीपक चाहर।

शाहबाज का घरेलू क्रिकेट करियर

शाहबाज ने 2018 में बंगाल की ओर से अपना लिस्ट-ए और फर्स्ट क्लास डेब्यू किया। शाहबाज ने अब तक 18 फर्स्ट क्लास मैचों में बल्ले से 1,041 रन और गेंदबाजी में 57 विकेट झटके हैं। वहीं 26 लिस्ट-ए मैचों में उन्होंने बल्ले से 662 रन और गेंदबाजी में 24 विकेट ले लिए हैं। इसके अलावा 56 टी-20 मैचों में उन्होंने 512 रन और गेंद से 26.94 की औसत से 39 विकेट लिए हैं।

आईपीएल के अगले सीजन से पहले सीएसके छोड़ सकते हैं रविंद्र जडेजा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स और रविंद्र जडेजा के बीच चीजें अब भी सही होती नहीं दिख रही हैं। ऐसा माना जा रहा है कि जडेजा और सीएसके का संबंध खत्म होना लगभग तय है।

आईपीएल 2022 की समाप्त होने के बाद से लेकर अब तक जडेजा और सीएसके के बीच कोई बातचीत नहीं हुई है। यदि कोई चमत्कार नहीं हुआ तो जडेजा अगले सीजन नई फ्रेंचाइजी से खेलते दिख सकते हैं। वहीं यह भी माना जा रहा है कि धोनी फिर से सीएसके की कप्तानी संभाल सकते हैं।

सोशल मीडिया पर दिख रही तकरार

बता दें कि आईपीएल 2022 के अंतिम चरण में जडेजा चोटिल हुए थे और लीग से बाहर होने के बाद उन्होंने फ्रेंचाइजी के साथ संपर्क नहीं बनाया है। इसी प्रकार एमएस धोनी के जन्मदिन पर सीएसके द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में जडेजा के अलावा अन्य सभी खिलाड़ियों को देखा गया था।

सीएसके के लिए एक दशक से खेल रहे जडेजा

जडेजा ने 2012 में सीएसके ज्वाइन किया था और ऐसा माना जाता है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी सफलता का श्रेय सीएसके को ही जाता है। सीएसके के लिए 142 मैचों में जडेजा ने 1,440 रन बनाने के अलावा 105 विकेट भी लिए हैं। 16 रन देकर पांच विकेट लेना उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। आईपीएल 2022 की नीलामी से पहले सीएसके ने जडेजा को सबसे अधिक 16 करोड़ रुपये देकर रिटेन किया था। उन्होंने पिछले सीजन खेले 10 मैचों में मात्र 19.33 की औसत और 118.36 की स्ट्राइक रेट के साथ केवल 116 रन बनाए थे। गेंदबाजी में उन्होंने 7.51 की इकॉनमी रेट से पांच विकेट अपने नाम किए थे।

धोनी फिर बन सकते हैं कप्तान

धोनी ने पिछले सीजन ही साफ कर दिया था कि वह अगले सीजन भी आईपीएल खेलते दिखेंगे और ऐसी संभावना है कि वह टीम की कप्तानी भी करेंगे। ऐसे में रविंद्र जडेजा के लिए सीएसके में बने रहना मुश्किल होगा। कई ऐसी टीमें जडेजा के संपर्क में हैं जो भारतीय कप्तान की तलाश में हैं।

अगले 3 साल में दो टेस्ट, 27 वनडे और 36 टी20 खेलेगी महिला टीम

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा मई 2022 से अप्रैल 2025 तक के लिये तैयार पहले भावी दौरा कार्यक्रम के तहत 65 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी।

आईसीसी ने मंगलवार को कार्यक्रम की घोषणा की जिसमें कुल 301 मैच (सात टेस्ट, 135 वनडे और 159 टी20) शामिल हैं। भारत को अगले तीन साल में इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट के अलावा 27 वनडे और 36 टी20 मैच खेलने हैं। मई 2022 में एफटीपी शुरू होने के बाद से भारत तीन वनडे और तीन टी20 खेल चुका है।

तीसरे टी-20 में वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को हराया, मैच में बने ये रिकॉर्ड्स

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बीती रात खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हरा दिया है। इस हार के बावजूद कीवी टीम ने टी-20 सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया है।

न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ग्लेन फिलिप्स (41) की बदौलत 145/7 का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में वेस्टइंडीज ने दोनों ओपनर्स के अर्धशतकों की बदौलत एक ओवर शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बने।

इस तरह वेस्टइंडीज ने जीता मुकाबला

पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 145/7 का स्कोर खड़ा किया था। ग्लेन फिलिप्स (41), केन विलियमसन ने भी 24 रन बनाए। ओडिएन स्मिथ ने वेस्टइंडीज के लिए सबसे अधिक तीन विकेट लिए। स्कोर का पीछा करते हुए ब्रैंडन किंग (53) और शमार्ह ब्रूक्स (56*) ने वेस्टइंडीज को 102 रनों की ओपनिंग साझेदारी दिलाई। रोवमैन पॉवेल ने 15 गेंदों में 27 रन बनाकर वेस्टइंडीज को जिताया।

टी-20 में गुप्टिल के सर्वाधिक रन

मार्टिन गुप्टिल 13 गेंदों में केवल 15 रन ही बना सके, इसके बावजूद उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। गुप्टिल के नाम इस फॉर्मेट में 3,497 रन हो गए हैं।

रॉयल लंदन वनडे कप

धमाकेदार फार्म में पुजारा 174 रनों की बौछार कर अपनी टीम को जिताया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने रॉयल लंदन वनडे कप में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखा है। 35 साल के पुजारा ने बीते रविवार को सर्रे के खिलाफ 131 गेंदों में 174 रनों की शानदार पारी खेली। यह पुजारा द्वारा लगाया गया लगातार दूसरा शतक है। इससे पहले उन्होंने 79 गेंदों में 107 रनों की पारी खेली थी। काउंटी चैंपियनशिप की तरह ही पुजारा रॉयल लंदन वनडे कप में भी दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने पांच मैचों में 91.75 की औसत के साथ 367 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने दो शतक और एक अर्धशतक लगाया है।

कोरोना पॉजिटिव सैम कुरैन इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन से बाहर

दक्षिण अफ्रीका-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में बेन फॉक्स की वापसी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने आज 17 अगस्त से लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। मेजबान टीम ने प्लेइंग इलेवन में केवल एक बदलाव किया है।

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच के लिए सैम कुरेन की जगह विकेटकीपर बेन फॉक्स को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट 25 से 29 अगस्त तक मैनचेस्टर में जबकि तीसरा और अंतिम टेस्ट आठ से 12 सितंबर तक लंदन में खेला जाएगा।

सैम कोरोना पॉजिटिव : सैम कोरोना पॉजिटिव होने के कारण पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। इसके अलावा इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में बाकी सभी वही खिलाड़ी शामिल हैं, जो जुलाई में एजबेस्टन में भारत के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में टीम का हिस्सा थे।

तीन टेस्ट मैचों की सीरीज

इंग्लैंड दौरे पर दक्षिण अफ्रीका को 17 अगस्त से 12 सितंबर तक तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इससे पहले दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबरी रही थी, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की टी20 सीरीज 2-1 से जीती थी। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट 25 से 29 अगस्त तक मैनचेस्टर में जबकि तीसरा और अंतिम टेस्ट आठ से 12 सितंबर तक लंदन में खेला जाएगा।

इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन

जैक क्रॉली, एलेक्स लीस, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन स्टोक्स (कप्तान), बेन फॉक्स (विकेटकीपर), स्टुअर्ट ब्रॉड, जैक लीच, मैथ्यू पॉट्स, जेम्स एंडरसन।

बिजनेस साइट

आईआईटी मेडिकल वर्ल्ड के बिसेन सिंह नीट में रहे भिलाई टॉपर

भिलाई। नीट 2021 के परिणाम में आईआईटी मेडिकल वर्ल्ड के छात्र-छात्राओं ने अपना वर्चस्व कायम रखा। 34 छात्रों ने 550 से अधिक अंक अर्जित किए हैं। बिसेन सिंह 691, अभिनव साहू 668, सिद्धार्थ कांछी 622, टिशा सुन्डू 610, किशन देवांगन 594, पायल नायक 586, प्रिया बिश्वास 574, अनुशा मिश्रा 554 अंक प्राप्त किये, वहीं 2022 जेईई एडवांस में शैलेंद्र गुप्ता ने 98.9 प्रतिशत स्कोर करके संस्था का नाम रौशन किया है। सभी छात्र ने आईआईटी मेडिकल वर्ल्ड के मार्गदर्शन तथा प्रतियोगी वातावरण को अपनी सफलता के मार्ग का महत्वपूर्ण मंत्र बताया। उन्होंने यह भी कहा कि संस्थापक जेटी व एसटी के टेस्ट देने के तरीके ने उन्हें परीक्षा के भय से मुक्त किया तथा उनकी गुणवत्ता में भी सुधार आया। आईआईटी मेडिकल वर्ल्ड एजुकेट के संस्थापक एसटी व जेटी ने छात्रों की मेहनत तथा लगन को सफलता को श्रेय दिया है। ड्रॉपर, एनटीएसई, आईआईटी व नीट की न्यू बैचेस इंग्लिश व हिन्दी मीडियम के लिए 16 व 17 अगस्त से शुरू हो रही हैं।

प्रतिनिधि मण्डल ने बनारस रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए संचालन व ठहराव के लिए मांग पत्र सौंपा

प्रखर वाराणसी। विभिन्न पार्टियों के नेताओं का एक प्रतिनिधि मण्डल बनारस रेलवे स्टेशन के अधीक्षक अरुण कुमार से मिलकर बनारस रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए संचालन व ठहराव की मांग किया । एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने मांग पत्र को अपने प्रतिनिधि पूर्व पार्षद वरुण सिंह के हाथों भेजकर जनभावनाओं से अवगत कराया तो ब्लाक प्रमुख रेनू पटेल और प्रमुख प्रतिनिधि प्रवेश पटेल , विश्व हिन्दू परिषद महानगर उपाध्यक्ष धीरज सिंह , महिला मोर्चा अध्यक्ष लोहता मंडल अनिता तिवारी , ने अपने मांगपत्र को स्टेशन अधीक्षक अरुण कुमार को सौंपा । एमएलसी आशुतोष सिन्हा प्रतिनिधि पूर्व पार्षद वरुण सिंह ने बताया बनारस स्टेशन पर पटना सिकंदराबाद , लिच्छवी एक्सप्रेस , पवन एक्सप्रेस , स्वतंत्रता सेनानी सहित अन्य यात्री सुविधाओं को ध्यान रखते हुए ट्रेन के संचालन और ठहराव की मांग की गई है । ब्लाक प्रमुख श्रीमती रेनू पटेल व प्रमुख प्रतिनिधि प्रवेश पटेल ने कहा मेरे ब्लाक काशी विद्यापीठ के ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को यात्रा करने के लिए कैंट स्टेशन जाना आर्थिक और मानसिक नुकसान देने जैसा है अगर बनारस स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव होगा तो निश्चित यात्रा करने वाले यात्रियों को बहुत सहूलियत होगी। महिला मोर्चा अध्यक्ष लोहता मंडल अनिता तिवारी ने कहा महिलाओं को दूर जाकर ट्रेन पकड़ने में बहुत दिक्कत होती है जबकि बनारस स्टेशन नजदीक होने से और अध्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण होने के चलते सुविधा बढ़ जाएगी और आवागमन भी बढ़ेगा। स्टेशन अधीक्षक अरुण कुमार ने बताया विभिन्न दलों के प्रतिनिधियों के भावनाओं की कद्र करते हुए इस मांग पत्र को आगे सबंधित अधिकारियों को भेजकर जनभावनाओं से अवगत कराया जायेगा। प्रतिनिधि मंडल में ब्लाक प्रमुख व प्रमुख रेनू पटेल, प्रमुख प्रतिनिधि प्रवेश पटेल, पूर्व पार्षद वरुण सिंह, विश्व हिन्दू परिषद महानगर उपाध्यक्ष धीरज सिंह, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष लोहता मंडल श्रीमती अनिता तिवारी मौजूद रहे।

हाशमी, वेलफेयर सोसायटी उत्तर प्रदेश का प्रथम वार्षिक अधिवेशन धूमधाम से मनाया गया

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 15 अगस्त को त्रिभुवन वाटिका (मोढ़ेला) में हाशमी, वेलफेयर सोसायटी उत्तर प्रदेश का प्रथम वार्षिक अधिवेशन बड़े ही हर्सोल्लास के साथ मनाया गया।सर्वप्रथम तंजीम के राष्ट्रीय अध्यक्ष, निजामुद्दीन हाशमी,प्रदेश अध्यक्ष लाल मुहम्मद हाशमी ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान के साथ प्रोग्राम का शुभारंभ किया। संस्था के राष्ट्रीय महासचिव इकबाल हाशमी ने संस्था के एजेंडे,गरीब बच्चों को निःशुल्क कोचिंग, स्टेशनरी वितरण,यतीम बच्चियों को शादी में सहयोग, इत्यादि कार्यों पर प्रकाश डाला` प्रदेश महासचिव इस्तेखार हाशमी ने संगठन के मुख्य बिंदुओं से पदाधिकारियों को अवगत कराते हुए संचालन का दायित्व निभाया अध्यक्षता बदरुद्दीन हाशमी ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी तौफीक,प्रदेश संगठन सचिव हाजी इश्तियाक,कोषाध्यक्ष डॉ0 जावेद, सईद हाशमी,नसीम हाशमी,जिला अध्यक्ष मेराज हाशमी,तबरेज हाशमी, मुनव्वर एडवोकेट, याकूब, एडवोकेट, अनवर एडवोकेट, औरंगजेब हाशमी,जुबेर हाशमी, हाजी लतीफ हाशमी, शाहिद हाशमी,सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। नगर अध्यक्ष रुस्तम हाशमी,सगीर हाशमी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

नो इंट्री रुल लागू हो, युवा मोर्चा ने दिया एसडीएम को ज्ञापन

सोनभद्र। भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अरविंद सोनी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने बुधवार को उप जिला अधिकारी ओबरा को 2 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रमुख रूप से डिग्री कॉलेज से शारदा मंदिर रोड पर स्थित किड्स केयर इंग्लिश स्कूल जो कि मुख्य सड़क के किनारे संचालित होता है, जिसमें छोटे बच्चों का अध्ययन कार्य दोपहर 11:00 बजे प्रतिदिन संपन्न होता है, इस दौरान प्लांट सी के एवं अन्य बड़े वाहन धड़ल्ले से सड़क पर गुजरते हैं, जिससे किसी बड़ी घटना दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। इसी सड़क पर 2 माह पूर्व एक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई थी लेकिन उस दौरान ट्रैफिक ना होने के कारण बड़ी घटना से आम जनमानस बच गया। इसके मद्देनजर प्रतिदिन दोपहर 11 बजे से 11:30 बजे तक पूर्ण रूप से बड़े वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित कराते हुए डिग्री कॉलेज से शारदा मंदिर तक सड़क को दुरुस्त कराये जाने को लेकर प्लांट के जिम्मेदार अधिकारियों को आगाह किया जाए। मुख्य बाजार से चोपन रोड स्थित सड़क पर प्रत्येक 100 मीटर पर ब्रेकर बनाए जाएं ताकि पुनः विगत दिनों हुई दर्दनाक घटना की पुनरावृति ना हो। उपजिलाधिकारी द्वारा तत्काल मामले को संज्ञान में लेते हुए उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया। ज्ञापन सौंपने के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश जैन, भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल महामंत्री समीर माली, अधिवक्ता उमेश चंद्र शुक्ला, विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश मंत्री सत्य प्रकाश पांडे, कुमधज चौधरी, अर्पित केशरी मौजूद रहे।

अमृत महोत्सव के दूसरे दिन जश्न में डूबा एस.डी. पब्लिक स्कूल

प्रखर केराकत जौनपुर । आजादी के 76वीं वर्षगाँठ पर एस.डी. पब्लिक स्कूल हुरूहुरी के सभी बच्चों ने बहुत ही धूमधाम से तिरंगा फहराकर अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया। सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों समेत हर तरफ तिरंगा यात्रा शान से निकाला गया।तिरंगा यात्रा केराकत शेखज्यादा मोहल्ले से, केराकत कोतवाली चौराहा, मेहंदीतला, नरहन सरायबीरु, चौरा, केराकत ब्लॉक स्टेशन से होते हुए शेखज्यादा स्थान पर समाप्त कर दिया गया। इस मौके पर प्रधानाध्यापक जुबैर हसन, प्रबंधक डॉ राजेश कुमार सिंह, अध्यक्ष पंकज कुमार मौर्य समस्त शिक्षक व शिक्षिकायें समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

650 फीट लम्बे तिरंगे और गाजे बाजे के साथ विद्यालय के छात्रों ने निकाली रैली

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गौरिशंकर पब्लिक स्कूल प्रांगण से ६५० फीट लम्बे तिरंगे और गाजे बाजे के साथ प्रातः ११ बजे इस रैली को विद्यालय के संस्थापक / प्रबंधक राजेश्वर सिंह ने झंडा दिखाकर रवाना किया। इस रैली में विद्यालय के छात्र छात्राएं एवं सभी शिक्षक शामिल थे। रैली में आगे आगे विद्यालय का बैनर एवं गाजे बाजे के साथ विद्यालय के प्रिंसिपल आनंद कुमार कोऑर्डिनेटर लल्लन सिंह एवं अधिशाषी अधिकारी सत्य प्रकाश त्रिपाठी चल रहे थे। यह रैली तुलसीसागर के कान्वेंट स्कूल के सामने से होते हुए सिचाई विभाग चौराहे से शास्त्रीनगर चौराहे तक पहुंची। जहाँ शास्त्रीनगर की प्रतिमा पर विद्यालय के संस्थापक/प्रबन्धक राजेश्वर सिंह,

प्रिंसिपल आनंद कुमार और कॉर्डिनेटर लल्लन सिंह, अधिशासी अधिकारी सत्य प्रकाश त्रिपाठी द्वारा माल्यापर्ण किया गया। इसके पश्चात रैली कचहरी जिला अधिकारी कार्यालय पहुंची। जहाँ पर जिलाधिकारी की प्रतिनिधि परगना अधिकारी गाजीपुर सदर प्रतिभा मिश्रा ने इस तिरंगा रैली को तिरंगा झंडा दिखाकर आगे बढ़ाने हेतु मार्ग प्रशस्त किया। रैली सिद्धेश्वर नगर तिराहा होते हुए वापस विद्यालय पहुंची। इस रैली को सफल बनाने में चंदना बनर्जी, आराधना सिंह, विजयशंकर राय, जीतेन्द्र तिवारी, जीतेन्द्र कुशवाहा, अनुराग गुप्ता, शिल्पी विश्वकर्मा, सीमा शर्मा, अश्वनी शर्मा, कविता सिंह, ममता, हिमांशुशेखर आदि ने इस रैली को सफल बनाने में योगदान रहा।

केराकत तहसील परिसर में ध्वजारोहण करते समय छूट कर गिरा ध्वज

राष्ट्रगान के दौरान चहलकदमी करते एसडीएम का वीडियो वायरल, वीडियो के आधार पर गैरजिम्मेदार अधिकारी पर कार्यवाही होगी या नहीं

प्रखर केराकत जौनपुर। देश में 76 वा स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया इस दौरान प्रधानमंत्री की मुहिम हर घर तिरंगा की धूम मची रही देश राजधानी दिल्ली के राजपथ से लेकर गांवो की पगदंडीयो तक तिरंगा यात्रा की होड़ मची रही।वही स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राष्ट्रीय ध्वज का अपमान होता मीडिया की सुर्खियां भी बनी रही ऐसा एक मामला प्रकाश में आया है। बता दे कि केराकत तहसील परिसर में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर उपजिलाधिकारी माज अख्तर ध्वजारोहण करने पहुंचे जैसे ही ध्वजारोहण करने लगे कि ध्वज छूट कर गिर गया पहले से ही दिवाल की छत पर मौजूद लोगो ने ध्वज को नीचे गिरने से बचा लिया।हालांकि ध्वजारोहण करते समय ध्वज छूटने की खबर उपस्थित सभी लोगो को होने के बाबजूद भी हो रहे राष्ट्रगान में सावधान मुद्रा में खड़े होकर राष्ट्रगान गा रहे थे मगर

उपजिलाधिकारी राष्ट्रगान के दौरान चहलकदमी करते वीडियो में नजर आ रहे है। भीड़ से ही किसी ने वीडियो बना लिया जिसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया राष्ट्रगान के दौरान चहलकदमी करते उपजिलाधिकारी का वीडियो तेजी से हो रहा है वायरल वीडियो देखकर हर कोई हो रहा है दंग।सक्षम अधिकारी द्वारा राष्ट्रगान होते समय चहलकदमी करना कितना सही है यह सवालिया निशान खड़ा करता है अब देखना ये होगा कि इस वीडियो के आधार पर गैर जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई की जाती है या नही।

ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (जीकेसी) ने 76वां स्वतंत्रता दिवस और आजादी का मनाया अमृत महोत्सव

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। स्वतंत्रता दिवस समारोह कार्यक्रम की शुरूआत विधानसभा सचेतक एवं विधायक कैण्ट माननीय सौरभ श्रीवास्तव ने ध्वजारोहण के साथ की और सम्बोधित करते हुए कहा कि देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। आजादी के इन 75 वर्षो में भारत दुनिया की एक महाशक्ति के रूप में उभरा है। यह आजादी हमें अनेक कुर्बानियों के बाद मिली है। जिन वीरों की कुर्बानियों की वजह से हमें यह आजादी मिली आज हम उनको नमन करते हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हम अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों एवं अमर क्रांतिकारियों को नमन करते हुए उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते है।उन सभी महान विभूतियों की संघर्ष गाथा एवं शहादत सदैव हमारे लिये प्रेरणा का स्रोत रहेंगी। देश की एकता और अखंडता को बनाये रखने के लिये देश के विकास के लिए कदम से कदम मिलाकर साथ चलने का प्रयास करना होगा, तभी पूर्ण आजादी का सपना पूरा होगा।समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी जीकेसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने कहा 15 अगस्त एक ऐतिहासिक दिन है, जिस दिन हम भारतीय अंगेजों के चंगुल से मुक्त हुए। इसका पूरा श्रेय देश के उन वीर जवानों को जाता हैं जिन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए अपना बलिदान दिया। देश की आजादी में अनेक वीर सपूतों ने अपनी शहादत दी है।स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहूति देने वाले सभी वीर जवानों एवं स्वतंत्रता संग्राम के सभी सेनानियों को नमन। वीर जवानों की शहादत और कुर्बानियों के कारण ही हम सबों को आजादी मिल सकी है। हर भारतीय शहीद का कर्जदार है। हमें शहीदों की कुबार्नी को कभी नहीं भुलाना चाहिए` इस दौरान मौके पर मौजूद सभी लोगों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले सभी वीर शहीदों तथा महान स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। इस अवसर पर जिन बच्चों द्वारा इस वर्ष 85 प्रतिशत से ऊपर हाईस्कूल या इंटर मे अंक प्राप्त किए थे उन्हें जीकेसी परिवार की तरफ से मेधावी विद्यार्थी सम्मान मेडल अथर्व विनायक ,अनुराग श्रीवास्तव, अक्षत वर्मा,शाश्वत वर्मा,अंजलि सिंह, रिया श्रीवास्तव,कनिष्का सिंह को पहनाकर सम्मानित किया गया` इस अवसर शशिकान्त श्रीवास्तव, विशाल श्रीवास्तव, ऐश्वर्या श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव मनोज श्रीवास्तव ,उमेश श्रीवास्तव,राम दुलार उपाध्याय विश्वजीत शाही बब्बू चौबे, केशव प्रसाद, सुनील श्रीवास्तव,ऋषि अग्रवाल, संजय रस्तोगी, जितेन्द्र श्रीवास्तव जित्तू, अभिषेक वर्मा समेत कई गणमान्य लोग भी उपस्थित थे` कार्यक्रम का संचालन साक्षी श्रीवास्तव व स्वाधीनता गीत पर ज्योति श्रीवास्तव ने नृत्य कर मनमोहक प्रस्तुति दी।

पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश घायल दूसरा पुलिस हिरासत में

प्रखर खानपुर गाजीपुर। थानाक्षेत्र के उचौरी में मंगलवार की देररात 25 हजार रुपए का इनामिया बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वही मुठभेड़ के दौरान आरोपित बदमाश के पैर में गोली लगी हैं।जबकि दूसरा बदमाश पुलिस हिरासत में हैं।जानकारी के अनुसार खानपुर थानाक्षेत्र के उचौरी में मंगलवार की देररात अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट से स्थानीय डर गये। खानपुर पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीमों ने क्षेत्र के उचौरी में दो बाईक इनामी बदमाशों से मुठभेड़ में पुलिस के जबाबी कार्यवाही में बिहार निवासी 25 हजार इनामिया बदमाश सूरज कुशवाहा के पैर में गोली लगने से वह घायल हों गया,वही उसका एक अन्य साथी मोहित वर्मा भी आंशिक रूप से चोटिल हों गया। दोनों बदमाशों के पास से पुलिस ने लूट के बैग,25 हजार नगदी दो अवैध असलहा मय कारतूस बरामद किया गया।थानाध्यक्ष खानपुर संजय मिश्रा ने बताया की क्षेत्र के बिहारीगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था तभी बिहारीगंज-मेहनाजपुर मार्ग के अनौनी के तरफ से आ रहें एक

मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगो को रोका गया तो वह पुलिस को देख असलहा से दिखाकर उचौरी के तरफ भागने लगे वही दोनों करमरपुर उचौरी के तरफ भागता देख थानाध्यक्ष सादात को सूचित किया गया साथ ही जिला मुख्यालय की क्राइम ब्रांच टीम को इसकी सुचना दी गयीं। वही सुचना पर पहुंची सैदपुर थाने की टीम व बहरीयाबाद,सादात संग क्राइम ब्रांच भी मौके पर पहुँच गयीं। अपने आप को तीनो तरफ से घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग करना शुरू कर दिया वही जबाबी कार्यवाही में पुलिस ने एक बदमाश के पैर में गोली मारी तो वही दूसरे बदमाश को भी पकड़ लिया गया।घटना की जानकारी होते ही घटनास्थल पर एसपी गाजीपुर रोहन पी बोत्रे व एसपी सिटी गोपीनाथ सोनी भी मौके पर पहुँच गये।वही घायल बदमाश को प्राथमिकता ईलाज के लिए स्थानीय चिकित्सालय भेजा गया उसके बाद उसे जिला अस्पताल भेज दिया गया।गिरफ्तार बदमाशों से पूछताछ में सूरज उर्फ कृष्णा उर्फ गोलू कुशवाहा पुत्र नारद सिंह निवासी महुआरी थाना मुफदस्सील जिला बक्सर का इनामी बदमाश निकला वही उसका दूसरा साथी मोहित वर्मा उर्फ बिक्की लाला पुत्र आत्माराम(संजय वर्मा) निवासी लक्ष्मीनगर इंदारा थाना कोपागंज जिला मऊ का निवासी हैं।वही सूरज के पास से एक अदद पिस्टल 32 बोर, तीन अदद खोखा, एक जिन्दा कारतूस, एक 315 बोर तमंचा, दो कारतूस व एक मोटरसाईकिल टीवीएस वही दूसरे बदमाश मोहित के पास से एक अदद सैमसँग मोबाईल,7500 नगद जो थाना सादात से लूट की गयीं थीं।वही 18100 नगद, तीन एटीएम, एक चेकबुक, एक कैशबुक, एक रीडर, एक रजिस्टर जो गहमर से लूट की गयीं थीं जिसे बरामद किया गया हैं।

उत्कृष्ट विद्यालय एवं शिक्षक हुए सम्मानित

प्रखर केराकत जौनपुर। अमृत महोत्सव के शुभावसर पर ब्लाक केराकत के शिक्षकों ने जनपद स्तर पर सम्मानित होकर ब्लाक केराकत की सफलता को एक और आयाम दिया है जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी शीलम साई तेजा के कुशल मार्ग-दर्शन में तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल के नेतृत्व में ब्लाक केराकत के शिक्षकों को उत्कृष्ट विद्यालय के क्रम में प्रधानाध्यापक सरायबीरू सुशील कुमार सिंह जो कि प्राथमिक शिक्षक संघ केराकत के ब्लाक महामंत्री भी है ,अखिलेश यादव प्रधानाध्यापक उच्च प्राथमिक विद्यालय तरियारी,अभय कुमार पाठक प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय महादेवा तथा उत्कृष्ट शिक्षकों के क्रम में निधी कुंज, उमेश कुमार सिंह, आलोक सिंह, एवं मनोज कुमार मौर्या को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के हाथों प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त के क्रम में खण्ड शिक्षाधिकारी केराकत मुकेश कुमार ने इस सफलता हेतु ढेरो शुभकामनाएं दिया तथा साथ ही साथ ब्लाक अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ केराकत संजय कुमार सिंह ने सभी सम्मानित शिक्षकों का ब्लाक का मान बढ़ाने हेतु आभार व्यक्त किया ।

संक्षिप्त खबरें

आदर्श कचहरी पर आटो चालकों ने किया झंडारोहण निकाली गयी ऑटो रिक्शा रैली

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आदर्श कचहरी पर झंडारोहण सम्मान समारोह और ऑटो रिक्शा रैली का कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ` झंडारोहण के दौरान कैण्ट थाना प्रभारी अपने हमराहियों संग कचहरी पुलिस चौकी के पुलिसकर्मी शामिल रहे और तिरंगे तो दी सलामी` आटो रिक्शा रैली को प्रदेश अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि कृपाशंकर शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इस रैली में पूर्वांचल अध्यक्ष जुबेर खान बागी , जिलाध्यक्ष घनश्याम यादव ,महामंत्री राजकुमार , उपाध्यक्ष विनोद सोनकर , मंगल यादव संगठन मंत्री मुन्ना जी , मीडिया प्रभारी अब्दुल करीम और कोषाध्यक्ष जावेद अहमद सहित तमाम पदाधिकारी उपस्थित रहे और 60 चालकों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया` और चालकों की सुविधा के बारे में और उनके उत्पीड़न को लेकर गहन चर्चा हुई और उनके व्यवस्था पर विस्तृत कार्यक्रम बनाकर उनको भी व्यवस्थित करने का कार्य योजना बनाई गई और सभी अधिकारियों से बात करके और चालकों की कमियों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा कार्यक्रम में बलिया गाजीपुर मिजार्पुर के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

वाराणसी पुलिस से नाराज, मुख्यमंत्री कार्यालय के बाहर अनशन पर बैठेंगे राष्ट्रीय हिन्दू दल प्रदेश अध्यक्ष

प्रखर वाराणसी। राष्ट्रीय हिन्दू दल संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष द्विवेदी उर्फ पप्पू पर हुए जानलेवा हमला प्रकरण में आज छः महीने से अधिक बित जाने के बाबजूद वाराणसी पुलिस द्वारा आजतक कोई कार्रवाई नहीं होने से संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष द्विवेदी उर्फ पप्पू ने कहा कि बीते 18 मार्च 2022 को रात्रि में हमारे उपर जानलेवा हमला किया गया था जिसके विरुद्ध थाना कैंट वाराणसी में मु.अ.सं - 119/22 में पच्चीस लोगों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है। पर आजतक कोई विवेचना व ठीक से मेडिकल तक नहीं कराया गया और पुलिस विपक्षियों से सांठगांठ कर मामले को दबा दिया और इंस्पेक्टर से लेकर हमने एसीपी कैंट, डीसीपी वरुणा, डीआईजी, एडिशनल कमिश्नर, कमिश्नर समेत उपमुख्यमंत्री व मुख्यमंत्री से कई बार शिकायत किया गया पर आजतक कोई कार्रवाई नहीं हुई जिससे नाराज होकर जल्द ही मुख्यमंत्री कार्यालय लखनऊ पर आमरन अनशन पर अपने कार्यकताओं के साथ बैठेंगे।

आजादी के दीवानों की याद में पौधरोपण

प्रखर रामनगर वाराणसी। देश के 75वें स्वतंत्रा दिवस के पावन अवसर पर नगर के स्वच्छ सर्वेक्षण ब्रांड एंबेसडर शुभम सिंह ने नगर पालिका परिषद के परिसर में कर्मचारियों के साथ पौधरोपण कर स्वतंत्रता सेनानियों व देश की रक्षा हेतु सर्वस्व अर्पण करने वाले वीर जवानों को स्मरण कर नमन किया। इस दौरान शुभम सिंह ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र का यह पुण्य पर्व हमें मां भारती के उन सभी ज्ञात-अज्ञात शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है, जिन्होंने आजादी की लड़ाई में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होने कहा कि अपनी मातृभूमि के प्रगति एवं उन्नति के पथ पर बढ़ते रथ को स्वतंत्रता दिवस पर नई गति प्रदान करने में योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए। इस मौके पर बलवीर सिंह, अजय कुमार, लालचन्द्र यादव, गोविंद यादव, आशिष पटेल, शिवम सिंह, रहे।

शान से लहराया तिरंगा

प्रखर रामनगर वाराणसी। राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर 36वीं वाहिनी पीएसी तिराहे के समीप स्थित शहीद उद्यान में 36वीं वाहिनी पीएसी के सेनानायक डॉ० अनिल कुमार पाडेंय ने ध्वजारोहण को सलामी दी।इस अवसर पर सत्येंद्र सिंह पिंटू, कृपाशंकर यादव, शुभम सिंह, डॉ० अमित यादव, धनंजय साहनी, अमित पटेल, गोविंद यादव, मनीष सिंह, सुरेश बहादुर सिंह, सरदार मंजीत सिंह, अजीत यादव, रितेश पाल, डॉ० शैकत अली समेत दर्जनों गण्यमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

अब होगी रोडवेज बस ड्राइवरों पर सख्त कार्रवाई

प्रखर गौराबादशाहपुर,जौनपुर। नगर पंचायत गौराबादशाहपुर कस्बे से रोडवेज बसों के संचालन न होने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है,जिसकी अनेकों बार शिकायत करने पर भी कोई संतोषजनक सुधार न होता देख,आज अपराध निरोधक कमेटी अध्यक्ष डॉ0 जयसिंह राजपूत द्वारा यात्रियों की समस्याओं से अवगत कराते हुए एवं सख्त से सख्त कार्यवाही करने के लिए एआरएम प्रयागराज सीवी.राम से फोन द्वारा वार्ता की गई,जिसमें उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा कि,जौनपुर डिपो इंचार्ज से आप सारी समस्याओं को अवगत कराते हुए उनसे बाईपास पर चेकिंग कर ऐसे ड्राइवरों पर पेनाल्टी लगाएं एवं हमको अवगत कराएं,ताकि भविष्य में रोडवेज के ड्राइवर अधिकारियों की बातों की अनदेखी न कर सकें एवं बसों का संचालन सुचारू रूप से कस्बे से जारी करें।

आजादी अमृत महोत्सव पर जनसेवा एकता मंच द्वारा वितरित किया गया छाता

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय विकासखंड केराकत क्षेत्र के खर्गसेनपुर ग्राम सभा में छाता वितरण का कार्यक्रम किया जा रहा है, गौरतलब हो कि जनसेवा एकता मंच अपने कार्यो के द्वारा क्षेत्र में चर्चित का विषय बना हुआ है सत्य प्रकाश जी की अध्यक्षता में लगातार असमर्थ लोगों की मदद की जा रही है ठंड में कम्बल गर्मी में मच्छरदानी तथा गमछा वितरण एव बरसात के समय में छाता

वितरित किया गया जिसमे एकता मंच गरीब और अहसहाय लोगों को साथ सदैव तत्पर है इस संस्था में कार्यरत सदस्यों में सन्तोष सरोज ललन बिंद शेर बहादुर अनिल बिंद सुरेन्द्र गौर वीरेंद्र गुप्ता अर्जुन शर्मा तथा बहुत सारे सदस्य जनसेवा में लगे हुए हैं '

गोरक्षनगरी से संगमनगरी (प्रयागराज) पहुंचना होगा और आसान

80 किमी कम हो जाएगी गोरखपुर से प्रयागराज की दूरी, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, जौनपुर, अयोध्या के लिए भी बेहतर कनेक्टिविटी का नया विकल्प

प्रखर गोरखपुर। ढांचागत सुविधाओं के सतत हो रहे विकास के क्रम में योगी सरकार पूर्वी उत्तर प्रदेश को इंटर डिस्ट्रिक्ट कनेक्टिविटी की बड़ी सौगात देने जा रही है। यह सौगात है गोरखपुर-अंबेडकरनगर जिले के मध्य स्थित

घाघरा नदी पर कम्हरिया घाट पुल का गुरुवार को लोकार्पण करेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, 500 गांवों की 20 लाख आबादी को होगा फायदा, ईंधन व समय की होगी बचत

घाघरा नदी पर कम्हरिया घाट सेतु (पुल) के रूप में। गुरुवार दोपहर बाद करीब डेढ़ किलोमीटर की लंबाई में बने इस पुल का लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कम्हरिया घाट पर पुल बन जाने से जहां अंबेडकरनगर, आजमगढ़, जौनपुर, अयोध्या, संतकबीरनगर, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़ आदि जिलों के लिए शानदार कनेक्टिविटी का नया विकल्प मिल गया है, वहीं इससे गोरक्षनगरी और संगमनगरी (प्रयागराज) के बीच दूरी करीब 80 किलोमीटर कम हो गई है।

कम्हरिया घाट के एक तरफ गोरखपुर और दूसरी तरफ अंबेडकरनगर जनपद स्थित है। इस घाट पर पुल क्षेत्र के लोगों की बहुप्रतीक्षित मांग रही है। कारण, पुल के अभाव में इन दोनों जिलों के बीच की दूरी 60 किलोमीटर बढ़ जाती थी। योगी सरकार ने लोगों के लिए कभी स्वप्न सरीखे रहे इस सेतु को हकीकत में बदला है। कम्हरिया घाट पर लंबे पुल का निर्माण होने से करीब पांच सौ गांवों की 20 लाख आबादी को फायदा पहुंचा है। इस पुल से होकर आने-जाने में कई स्थानों के लिए दूरी कम हो गई है। इससे लोगों के समय व ईंधन की बचत होगी। प्रदूषण भी कम होगा।सबसे बड़ी सहूलियत आस्था की नगरी प्रयागराज जाने वाले लोगों को होगी। कम्हरिया घाट पुल से होकर जाने में गोरखपुर से प्रयागराज की दूरी अब सिर्फ 200 किलोमीटर होगी। अभी तक लोगों को 280 से 300 किलोमीटर तक की दूरी तय करनी पड़ती थी।

193.97 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है पुल का निर्माण- घाघरा नदी के कम्हरिया घाट (सिकरीगंज-बेलघाट-लोहरैया-शंकरपुर-बाघाड़) पर पुल का निर्माण 193 करोड़, 97 लाख, 20 हजार रुपये की लागत से हुआ है। कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड ने 1412.31 मीटर लंबे इस पुल का निर्माण जून 2022 में पूर्ण करा दिया है।

अमृत महोत्सव पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम, झूमे ग्रामीण

प्रखर पिंडरा वाराणसी। आजादी के 75 वे अमृत महोत्सव पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतिम दिन सूचना व जनसंपर्क विभाग के बैनर तले पिंडरा के ग्राम सभा जमापुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोकगीत के बीच आजादी के दीवाने के लिए खूब नारे लगे और लोकगीत पर ग्रामीण झूम उठे। प्राथमिक विद्यालय जमापुर के छात्र छात्राओं व ग्रामीण महिला पुरुष के बीच लोकगीत गायिका सोनम सरोज ने देशभक्ति गीत के बीच देश को आजाद कराने में महती भूमिका निभाने वाले देशभक्तों के लिए खूब नारे लगे और तिरंगा लहरा। जिससे पूरा माहौल देशभक्त मय हो गया। इस दौरान कवि गौरीशंकर पटेल, बृजमोहन सरोज, अरविंद राजभर, प्रधानाध्यापक विनोद कश्यप, अरविंद पटेल, डॉ राजीव गौतम, तेजबहादुर समेत अनेक शिक्षक व ग्रामीण रहे।

चौपाल सागर में धूमधाम से मनाया गया आजादी का अमृत महोत्सव, सैकड़ों ग्रामीण हुए शामिल

प्रखर चन्दौली। आई टी सी चौपाल सागर के एरिया मैनेजर सुशील सिंह व चौपाल सागर के इंचार्ज सुनील सिंह के नेतृत्व में सुबह 11:00 बजे चौपाल सागर के कर्मचारी व ग्रामीणों के साथ तिरंगा यात्रा निकाली गई, तिरंगा यात्रा को हरी झंडी आई टी सी चौपाल सागर के एरिया मैनेजर ने दिखाकर किया रवाना। आपको बता दें कि तिरंगा रैली आई टी सी चौपाल सागर से शुरू होकर कस्बा में भ्रमण करती हुई गंजख्वाजा गांव पर जाकर समाप्त हुई। वही घर-घर तिरंगा वितरण किया गया,आजादी के अमृत महोत्सव के तहत वंदे मातरम एवं भारत माता की जय के उद्घोष के बीच उत्साह के साथ तिरंगा रैली निकाली गई। वहीं आईटीसी चौपाल सागर के एरिया मैनेजर ने बताया कि खेती बारी के समय में आप लोग अपना अमूल्य

समय जो आई टी सी परिवार को दिया मैं सबसे पहले उन किसान भाइयों को तहे दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि 75 वर्ष के पहले हमारा भारत कैसा रहा होगा, उसकी हम लोग कल्पना भी नहीं कर सकते। लेकिन आज 75 वर्ष की जो जिंदगी जी रहे हैं उससे काफी बेहतर है। प्रधानमंत्री का भी यह सपना है कि जो हमारी पीढ़ी वह हम लोगों से बेहतर जिंदगी जिए, किसान भाई के लिए दोगुनी आय के लिए सरकार कार्य कर रही है। और साथ ही साथ आई टी सी 20 वर्ष से धान गेहूं के खरीदारी के लिए चंदौली में भी कृषि के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले आईटीसी मार्श ऐप लांच किया गया था, जिसके द्वारा किसान भाई घर बैठे गेहूं ,धान का रेट अपने घर से चेक कर सकते हैं।इस मौके पर चौपाल सागर इंचार्ज सुनील सिंह, दीपक सिंह, रवि विश्वकर्मा, शैलेंद्र तिवारी, रविंद्र पांडे, दिनेश सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ ने हर्षोल्लास के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस समारोह

प्रखर गोरखपुर। रेलवे कर्मचारी संघ के द्वारा 75 वा स्वतंत्रता दिवस पूरे जोश के साथ मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम में संघ के संरक्षक राधेश्याम सिंह के द्वारा झंडारोहण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित मुख्यालय मंडल के अध्यक्ष ए के शुक्ला, कार्यकारी अध्यक्ष बीपी मिश्रा, सतीश चंद अवस्थी, कौशल किशोर सिंह के द्वारा संबोधित किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव पर संगठन के द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ के महामंत्री विनोद राय के द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यकारी अध्यक्ष बीपी मिश्रा

के द्वारा चर्चा करते हुए समस्त कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी और कहा कि हमें टीम भावना से कार्य करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने हेतु निरंतर प्रयत्नशील रहना चाहिए। पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ के प्रवक्ता ए के सिंह ने अपने संबोधन में कहा संगठन हमेशा आपके साथ और आपके हित के लिए लड़ती रहेगी। आजादी के अमृत महोत्सव पर विक्रम, सिद्धकी, देवेंद्र प्रताप यादव ,मनोज दुबे, देवेस सिंह, दीपक चौधरी,कुलदीप मणि ,ईश्वर चंद संगठन के पदाधिकारी, कर्मचारी व आदि लोग मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर ब्रेथ ईजी टीम ने किया ध्वजारोहण स्वस्थ्य भारत के निर्माण के लिए समाज का स्वस्थ्य होना हैं आवश्यक : डॉ. एस.के पाठक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। ब्रेथ ईजी अस्पताल की ओर से 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर द्वारा ध्वजारोहण का कार्यक्रम डॉ. एस.के पाठक (वरिष्ठ टी. बी, चेस्ट, एलर्जी रोग विशेषज्ञ) के नेतृत्व में ब्रेथ ईजी चेस्ट सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल, अस्सी वाराणसी एवं ब्रेथ ईजी मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल, रामनगर में सम्पन्न किया गया` कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्र गान से हुई जिसके उपरान्त डॉ.एस.के पाठक ने भारतीय तिरंगे को सलामी दी व भारतीय शूर वीर के आन-बान-शान की गाथा सुनायी व साथ ही साथ समाज के प्रति कोरोना वारियरस के अद्भुत योगदान को भी डॉ. पाठक ने सराहा व मिठाइयों का वितरण किया इस कार्यक्रम में क्षेत्र के सम्मानित गण के साथ-साथ मरीज भी उपस्थित थे डॉ. एस.के पाठक ने बताया कि स्वस्थ्य भारत के निर्माण के लिए समाज का स्वस्थ्य होना अति आवश्यक हैं` डॉ. एस.के पाठक के नेतृत्व में एक तिरंगा रैली भी निकाली गई जो ब्रेथ ईजी हॉस्पिटल अस्सी से निकल कर अस्सी घाट पर समाप्त हुई इस कार्यक्रम में ब्रेथ ईजी चेस्ट फाउंडेशन फॉर ह्यूमैनिटी के सदस्यों ने भी बढ़ - चढ़ कर हिस्सा लिया जिसमे डॉ. स्वपनिल, सुनील उपाध्याय, अभिषेक केशरी, अश्विनी पाठक, रोहित, रतन, प्रकाशमणि, मनोज आदि लोग सम्मिलित थे।

खजनी ब्लाक में शुरु हुआ ब्लॉक समाधान दिवस

प्रखर गोरखपुर। जनपद के खजनी ब्लाक में माह का प्रथम व तृतीय बुधवार ब्लॉक समाधान दिवस का आयोजन खजनी ब्लाक सभागार कच्छ मैं सुबह 10:00 बजे से 2:00 बजे तक किया जा रहा है। जिसकी अध्यक्षता वीडियो खजनी कार्तिकेय मिश्रा व एडीओ पंचायत अजय सिंह द्वारा की जा रही है ब्लॉक के संबंधित सभी अधिकारी कर्मचारी मौजूद। खजनी ब्लाक अंतर्गत आने वाले सभी पचासी ग्राम पंचायत जनता जनार्दन की विकास संबंधित जो भी समस्याएं हैं समाधान दिवस में पहुंचकर अधिकारी कर्मचारी के सामने फरियादी अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे त्वरित निस्तारण किया जाएगा। वीडियो खजनी कार्तिकेय मिश्रा ने कहा सरकार की योजनाओं के तहत जैसे मांह के प्रथम व तृतीय शनिवार को तहसील दिवस व थाना दिवस का आयोजन किया जाता है उसी तरह माह का प्रथम व तृतीय बुधवार को ब्लॉक समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा विकास से संबंधित जो भी समस्याएं हैं फरियादी अपनी अपनी समस्याओं को लेकर अवगत कराएं उसका निस्तारण किया जाएगा।

मटकी छुने से दलित बालक की हुई निर्मम हत्या के खिलाफ अधिवक्ताओं ने निकाला मौन जुलूस

प्रखर दानगंज वाराणसी। जालौर राजस्थान के एक निजी स्कूल में पानी का मटका छूने पर शिक्षक की पिटाई से हुयी छात्र इन्द्र कुमार मेघवाल की हुई मौत के मामले में अधिवक्ताओं ने हाथों में मोमबत्ती लेकर मौन जुलूस निकाला। बनारस कचहरी के आक्रोशित अधिवक्ता गेट नंबर 3 पर इकट्ठा हुए उनके हाथों में दलित छात्र इंद्र कुमार मेघवाल की फोटो थी एक हाथ में फोटो और एक हाथ में मोमबत्ती लेकर अधिवक्ताओं ने गेट नंबर 3 से गोलघर चौराहे होते हुए अंबेडकर पार्क तक मौन जुलूस निकाला । अधिवक्ता अपने हाथों में तख्तियां लिए हुए थे जिस पर हत्यारों को फांसी दो आदि नारे लिखे हुए थे । मार्च में राजेश प्रजापति सैयद अफाक हुसैन शान, सुरेंद्र कुमार ,मोहम्मद साहिल अहमद, सुभाष प्रसाद पटेल, अनूप

कुमार, रमेश चंद्र शास्त्री, मुकुंद कुमार कश्यप, अशोक कुमार, राजेंद्र सोनकर, सुशील कुमार मौर्य ,चंदन, विनोद कुमार ,अरविंद कुमार ,रमाशंकर सिंह, अशोक सिंह, राजेश कुमार भारती, प्रभात सिंह ,अरविंद कुमार पांडे, राहुल चौधरी, संदीप मौर्य, सत्य प्रकाश सिंह ,राजेश कुमार सिंह , डॉ राजेश गुप्ता, अशोक कुमार उपाध्याय ,रामप्रवेश सिंह इत्यादि अधिवक्ता थे।मौन जुलूस का नेतृत्व वरिष्ठ अधिवक्ता रामदुलार व नित्यानन्द राय व कांग्रेस पार्टी विधि विभाग वाराणसी जिला अध्यक्ष व बनारस बार एसोसिएशन वाराणसी के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह व कांग्रेस पार्टी विधि विभाग के महानगर अध्यक्ष व सदर तहसील बार के महामंत्री राजेश कुमार गुप्ता जी कर रहे थे।

कैंसर लाइलाज नहीं है : सुश्री तनीषा गुप्ता

बच्चो को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचने के उपाय बताए

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी लमही स्थित विशाल भारत संस्थान में आज बच्चो के लिए कैंसर और शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का आयोजन फायर फ्लाई सरकोमा संस्था ने किया` इस अवसर पर सरकोमा संस्था की संस्थापक और लंदन स्थित चेल्तहम लेडीज कालेज की छात्रा सुश्री तनीषा गुप्ता ने बच्चो को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचने के उपाय बताए इस दौरान छात्रों को स्कूल बैग और स्टेशनरी वितरित की गई` कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए फायर फ्लाई सरकोमा की फाउंडर तनीषा गुप्ता ने बताया कि कैंसर लाइलाज नहीं है। जरूरत है कि हम सभी जागरूक होकर उचित समय पर उपचार ले तो इस गंभीर बीमारी को मात दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज कैंसर जैसी घातक जानलेवा

बीमारी सबसे अधिक महिलाओं में देखी जा रही है। खासकर महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। आज की यह जरूरत हो गयी है कि कुछ भी असामान्य दिखने पर हम डॉक्टर से परामर्श ले। शुरूआती दौर में कैंसर का इलाज संभव हो तो हम इस घातक रोग से मुक्ति पा सकते हैं` फायर फ्लाई सरकोमा द्वारा आयोजित आज के कार्यक्रम में छात्रों ने पोस्टर एवं क्विज के माध्यम से कैंसर से लड़ने का संदेश दिया। वहीं कार्यक्रम के दौरान संस्था के निदेशक चिराग गुप्ता ने कहा कि हमारी संस्था का उद्देश्य लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि कैंसर भारत में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। अगर हम सही खानपान के साथ जागरूक नहीं हुए तो 2030 तक यह और भी खतरनाक स्तर पर पहुंच सकता है` इस अवसर पर विशाल भारत संस्थान के संस्थापक राजीव श्रीवास्तव ने तनीषा गुप्ता का धन्यवाद किया और कहा उन्हें खुशी हे कि तनीषा जो एक खुद स्टूडेंट हैं और उनकी सामाजिक सरोकार के प्रति रूचि से समाज में बदलाव आयेगा। तनीषा गुप्ता ने सभी बच्चों को टी शर्ट और स्नैक्स वितरित किए। बच्चों ने खूब लुत्फ उठाया।

गोरखपुर पुलिस को मिले 300 पीएसी के जवान

प्रखर गोरखपुर । हाई कोर्ट का फैसला आने के बाद पीएसी के जवानों को सिविल पुलिस में तबादला किया जा सकता है जो पहले तबादला किए गए थे वह तबादला वैध है गोरखपुर जनपद में 300 जवानों का तबादला शासन स्तर पर किया गया है अब तक पुलिस लाइन में 122 आरक्षी अपनी आमद करा चुके हैं बहुत ही जल्द 178 जवान भी लाइन में अपनी आमद करा लेंगे इन सभी जवानों को जनपद के समस्त थानों पर संख्या के आधार पर पोस्टिंग की जाएगी जिन थानों पर कम आरक्षी मौजूद हैं उन थानों पर वरीयता के क्रम में आए हुए जवानों को थानों पर भेजा जाएगा। गोरखपुर में पीएसी से सिविल पुलिस से आए हुए जवानों के आ जाने से कानून व्यवस्था को मजबूत करने में अपराधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर ने बताया कि हमारे जनपद को लगभग 300 जवान मिले हैं इन सभी जवानों को पुलिस लाइन में आमद हो जाने के बाद थानों पर नियुक्त किया जाएगा जिससे अपराध रोकने में ये जवान कारगर साबित होंगे जो जवानों की कमी महसूस की जा रही थी वह कम हुआ। क्योंकि इससे पहले पीएसी के जवानों ने हाईकोर्ट में अपील किया था कि सिविल पुलिस और पीएसी अलग-अलग कैडर है दोनों के अलग अलग नियम है लेकिन हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पीएसी व सिविल पुलिस दोनों एक ही पुलिस बल हैं पीएसी और सिविल पुलिस अलग अलग फोर्स नहीं हैं कोर्ट ने कहा तबादला पूर्णतः वैद्य है इसे निरस्त नहीं किया जा सकता कोर्ट ने कहा था की तबादले में कोई अनियमितता नहीं है कोर्ट ने यह भी कहा कि मूल कानून के खिलाफ नियम नहीं बनाए जा सकते इसलिए सरकार द्वारा पीएसी से सिविल पुलिस में तबादला किए गए हैं वह पूर्णता वैध हैं इसमें अब कोई संशोधन नहीं किया जा सकता इसके बाद जिन पीएसी के जवानों का तबादला हुआ था वह तत्काल अपने तबादला हुए स्थानों पर आमद कराना प्रारंभ कर दिया अब तक गोरखपुर में 122 जवानों ने अपनी आमद करा ली है 178 जवान बहुत ही जल्द अपनी आमद करा लेंगे उन सभी को जल्दी थानों पर तैनाती मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

हर घर तिरंगा अभियान के तहत ग्राम पड़री विशुन दयाल में निकला तिरंगा यात्रा

प्रखर कुशीनगर। आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम अब हर गांव व घरो तक दस्तक दे चुका है, इसी अभियान के तहत ग्राम पंचायत पड़री विशुन दयाल में उत्साहित सैकड़ो ग्रामीणों ने मोटरसाइकिल से तिरंगा यात्रा निकाल तिरंगे व देश के प्रति अपना प्रेम व जज्बे को दिखाया, जहाँ सभी देशप्रेम के जज्बे में रंगे नजर आए और भारत माता के उदघोष से क्षेत्र गूंज उठा। तिरंगा यात्रा का कुशल संचालन कर रहे राष्ट्रीय किसान सभा के प्रदेश मंत्री शियाशरण पांडेय ने सभी लोगों से घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए अपील किया साथ ही उन्होंने कहा कि15 अगस्त को हम सभी देश के आजादी के 75वाँ स्वतंत्रता दिवस को यादगार बनाने के लिए आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मना रहे हैं । आजादी के अमृत को सफल बनाने के लिए सभी लोगो को चढ़ बढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए । तिरंगा यात्रा सुबह सात बजे सरस्वती पब्लिक स्कूल से प्रारंभ हो कर मेहदीया ,लबनिया ,नौगावां, बसन्तपुर ,पगरा पड़री ,आदि विभिन्न गांवो से होते हुए पड़री विशुन दयाल में स्थगित हुआ। इस अवसर अरविंद सिंह, बादशाह राय, राघवेंद्र राव,साहिल सिंह,अखिल सिंह,रामकिशोर सिंह,पारस प्रसाद, राजू प्रसाद संदीप गुप्ता,सन्तोष सिंह,विवेक प्रसाद,सुभाष सिंह ,हरेंद्र सिंह,मुन्ना राय ,छोटू सिंह,आदि मौजूद रहे।

बिना जुर्माना किए ट्रक छोड़ने पर चौकी इंचार्ज हुए लाइन हाजिर

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। स्थानीय क्षेत्र के खजुरी चौकी प्रभारी अभिषेक राय को परिवहन विभाग द्वारा पकड़े गए ट्रक को बिना जुमार्ना छोड़ने पर एसपी ग्रामीण ने लाइन हाजिर कर दिया। परिवहन अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र ने कुछ दिन पहले ओवरलोडिंग में ट्रक पकड़ा था। ट्रक सीज कर खजुरी चौकी पर खड़ा कराया गया था। परिवहन अधिकारी ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने बिना जुमार्ना किये ट्रक छोड़ दिया। इसकी शिकायत परिवहन अधिकारी ने एसपी ग्रामीण सूर्यकांत त्रिपाठी से की। सीओ बड़ागांव की जांच के बाद एसपी ने चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया।

सिस्टर निवेदिता स्कूल में मनाया गया आजादी का अमृत महोत्सव

प्रखर पडरौना, कुशीनगर। सिस्टर निवेदिता स्कूल में हर्सोल्लास के साथ 15 अगस्त के दिन आजादी का अमृतमहोत्सव मनाया गया। उत्साही छात्र छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से क्रांतिकारियो को नमन किया तथा शहीदों को श्रंद्धाजलि अर्पित किया। स्कूल की प्रधानाध्यापिक रमा खेतान व सभी शिक्षक शिक्षिका एवं विद्यार्थियों ने मंगलवार के दिन सरकारी अस्पताल में पहुंच मरीजो को फल वितरित कर अमृत महोत्सव की खुशियां बांटी।

आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वतन्त्रता सप्ताह में यूपी डॉयल 112 द्वारा निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा

प्रखर गोरखपुर। स्वतन्त्रता की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत आज दिनांक 17.08.2022 को पुलिस उपमहानिरीक्षक परिक्षेत्र गोरखपुर के निर्देशन में यूपी डॉयल 112 द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन गोरखपुर से तिरंगा यात्रा निकाला गया, जो शहर के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए नौकायन रामगढ़तल पर समाप्त हुआ । तिरंगा मार्च का उद्देश्य आमजनमानस में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करना व सुरक्षा व शान्ति हेतु पुलिस बल के प्रति लोगों का विश्वास कायम रखना है । इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नगर, पुलिस अधीक्षक यातायात, पुलिस अधीक्षक अपराध तथा पुलिस अधीक्षक लाईन एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

ब्लॉक दिवस बना शोपीस, मात्र 3 फरियादी पहुंचे

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के ब्लॉक मुख्यालय मंगारी में आयोजित प्रथम ब्लॉक दिवस प्रचार प्रसार के अभाव में शो पीस बनकर रह गया। जिससे ब्लॉक सभागार में एडीओ पंचायत व कुछ सचिव के अलावा कुर्सियां खाली पड़ी दिखी। अध्यक्षता कर रहे बीडीओ दीपंकर आर्य ने मात्र 3 फरियादियों के पहुचने पर सचिवों को कड़ी फटकार लगाई और निर्देश दिया कि अगले ब्लॉक दिवस तक इसकी जानकारी हर गांव तक पहुच जाय। इस दौरान परिवार रजिस्टर की नकल व नाम दर्ज करने को लेकर आये तीन मामले को सम्बंधित सचिव को निस्तारण के लिए दिए गए। इस दौरान एडीओ पंचायत अशोक कुमार चौबे, एडीओ सहकारिता प्रियंका मिश्रा, सचिव राजेश कुमार, राकेश पाल, अनिल कुमार, डब्लू यादव समेत अनेक सचिव रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं